राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण सोमवार 23 फरवरी 2026 वर्ष-9,अंक-31 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

शरद पवार की फिर बिगड़ी तबीयत, अस्पताल में किया भर्ती, डॉक्टर कर रहे निगरानी

मुंबई (एजेंसी)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) के संस्थापक शरद पवार को रविवार को फिर पुणे के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पिछले कुछ दिनों से उनकी सेहत में उतार-चढ़ाव देखा जा रहा है। उनकी बेटी और बारामती की सांसद सुप्रिया सुले ने सोशल मीडिया के जरिए इसकी पुष्टि की है। जानकारी के मुताबिक शरद पवार पिछले कुछ दिनों से खांसी और गले के संक्रमण से जूझ रहे थे। शनिवार को अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद वे अपने आवास पर थे, लेकिन रविवार सुबह उन्हें अत्यधिक कमजोरी और शरीर में पानी की कमी महसूस हुई। डॉक्टरों की सलाह पर परिवार ने उन्हें तुरंत जांच और चिकित्सकीय देखरेख के लिए अस्पताल में भर्ती करने का निर्णय लिया। सुप्रिया सुले ने एक्स पर लिखा- हम बाबा को फॉलो-अप टेस्ट और हाइड्रेशन के लिए पुणे के अस्पताल में भर्ती कर रहे हैं। हम सभी डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों का आभार व्यक्त करते हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 85 साल के शरद पवार को पिछले हफ्ते भी इसी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उस समय उन्हें सांस लेने में कठिनाई और सीने में संक्रमण की शिकायत थी। डॉक्टरों ने उन्हें एंटीबायोटिक्स का पांच दिनों का कोर्स दिया और शनिवार को ही उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई थी। हालांकि, डॉक्टरों ने उन्हें 3-4 दिन पूर्ण विश्राम की सलाह दी थी, लेकिन उनकी स्थिति में सुधार न होने के कारण उन्हें दोबारा भर्ती करना पड़ा। बता दें हाल ही में पवार परिवार पर आए दुखों के पहाड़ ने भी वरिष्ठ नेता के स्वास्थ्य पर गहरा प्रभाव डाला है। जनवरी के अंत में एक विमान हादसे में महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम और उनके भतीजे अजित पवार के असामयिक निधन के बाद से शरद पवार बारामती में परिवार को संभालने में व्यस्त थे। इस दौरान हुई भागदौड़ और मानसिक तनाव ने उनकी सेहत पर प्रतिकूल असर डाला है। डॉक्टरों के मुताबिक शरद पवार की स्थिति फिलहाल स्थिर है। उनके महत्वपूर्ण अंगों की स्थिति सामान्य है, लेकिन उम्र और संक्रमण को देखते हुए उन्हें विशेष निगरानी में रखा गया है।

भारतीय तटरक्षक बल की बड़ी कार्रवाई : अरब सागर में 5 करोड़ की विदेशी सिगरेट जब्त, 4 ईरानी गिरफ्तार

अहमदाबाद (एजेंसी)। अरब सागर में घुसपैठ और तस्करी के खिलाफ बड़ी सफलता हासिल करते हुए भारतीय तटरक्षक बल ने एक विशेष अभियान के दौरान विदेशी ब्रांड की सिगरेट से भरी संदिग्ध नाव को पकड़ा है। इस कार्रवाई में 4 ईरानी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, देवभूमि द्वारका से करीब 115 किलोमीटर दूर भारतीय समुद्री सीमा के फॉरवर्ड एरिया में नियमित गश्त के दौरान तटरक्षक बल की टीम को एक संदिग्ध नाव दिखाई दी। शक होने पर जब नाव को रोका गया और तलाशी ली गई तो पता चला कि अल मुख्तार नाम की यह नाव विदेशी सामान की तस्करी में लिप्त थी। जांच के दौरान नाव से विदेशी ब्रांड की सिगरेट के करीब 200 बड़े कार्टन बरामद किए गए। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इस खेप की अनुमानित कीमत लगभग 5 करोड़ रुपये बताई जा रही है। कार्रवाई के दौरान नाव पर सवार 4 ईरानी नागरिकों को हिरासत में लिया गया। उनके पास से प्रतिबंधित थुराया सैटेलाइट फोन और 8 मोबाइल फोन भी जब्त किए गए हैं। गिरफ्तार किए गए सभी ईरानी नागरिकों और जब्त नाव को आगे की जांच के लिए पोरबंदर जेट्टी लाया गया है। सुरक्षा एजेंसियां अब इस तस्करी के पीछे सक्रिय बड़े नेटवर्क की जांच में जुट गई हैं। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि सिगरेट की यह खेप गुजरात या किसी अन्य राज्य के तट पर उतारने की योजना थी।

किश्तवाड़ में जैश के 2 आतंकी ढेर, सुरक्षाबलों ने आतंकियों के ठिकाने को ब्लास्ट किया

कश्मीर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में चतरू इलाके में रविवार सुबह से सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ हुई। आधिकारियों ने 2 आतंकियों के ढेर होने की पुष्टि की है। सुरक्षाबलों ने उस ठिकाने को ही ब्लास्ट कर दिया, जहां आतंकी छिपे हुए थे। एनकाउंटर अभी भी जारी है। अधिकारियों ने कहा कि पाकिस्तान के आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के 2 से 3 आतंकियों के यहां पर छिपे होने की सूचना मिली थी। इसके बाद सर्च ऑपरेशन चलाया गया। तभी आतंकियों ने फायरिंग कर दी। इससे पहले 4 फरवरी को भी चतरू में ही सुरक्षाबलों ने जैश के ही एक आतंकी को मार गिराया था। वहीं, उधमपुर जिले में भी गुफा में छिपे जैश के 2 आतंकियों को ग्रेनेड विस्फोट में मार गिराया गया था।

34 साइबर ठग अरेस्ट, 45 फरार

मथुरा (एजेंसी)। मथुरा के 'मिनी जामताड़ा' में साइबर ठगों को पकडने के लिए एक बार फिर 240 से अधिक पुलिसकर्मियों ने छापेमारी की। 20 से अधिक गाडियों से पुलिसकर्मियों के साथ एसपी पहुंचे और दो टीमें बनाकर दो गांवों में रेड किए। पुलिस टीम को देखते ही गांव में भगदड़ मच गई। लोग इधर-उधर भागने लगे। कुछ खेतों में छिप गए। पुलिस ने उन्हें दौड़ा-दौड़ाकर पकड़ा। घरों की तलाशी ली गई। रविवार सुबह पुलिस ने विशंभरा और झंझावली गांव में रेड किए। करीब 5 घंटे तक चली कार्रवाई में पुलिस ने 34 लोगों को हिरासत में लिया। एसपी सुरेश चंद्र रावत के अनुसार, पुलिस को देखने के बाद 45 लोग फरार हो गए। 5 गाडियां भी जब्त की गई हैं। दरअसल, मथुरा के बॉर्डर क्षेत्र के करीब करीब 8-10 गांव ऐसे हैं जो साइबर ठगी का गढ़ माना जाता है। यहां साइबर ठगी का बड़ा नेटवर्क है जोकि देश-विदेशों में ठगी का अंजाम देता है।

दबंगों ने दलित परिवार का छप्पर फूंका

कानपुर (एजेंसी)। कानपुर में दबंगों ने दलित परिवार के घर के बाहर छप्पर में आग लगा दी। खौफ पैदा करने के लिए चार राउंड हवाई फायरिंग की। दरअसल, ट्रैक्टर निकालने के दौरान छप्पर टूट गया। इस पर दलित परिवार ने आपत्ति की। आरोप है कि कहासुनी के बाद दबंगों ने लाठी-डंडों से मारपीट की और फिर छप्पर में आग लगा दी। घटना कानपुर के सजेती थाना क्षेत्र के मढ़ापुर गांव की है। इस मारपीट में एक ही परिवार के पांच लोग घायल हुए हैं, जबकि बीच-बचाव करने पहुंचे दो पड़ोसी भी चोटिल हुए। जानकारी मिलने के बाद विधायक सरोज कुरील ने अस्पाल पहुंचकर घायलों का हालचाल जाना।

कर्नाटक सरकार 16 साल से कम उम्र के छात्रों के मोबाइल इस्तेमाल पर लगाएगी बैन

-सीएम सिद्धारमैया ने सभी सरकारी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों से मांगी राय

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक सरकार 16 साल से कम उम्र के छात्रों के मोबाइल फोन इस्तेमाल पर बैन लगाने पर विचार कर रही है। राज्य के सीएम सिद्धारमैया ने इस विषय पर सभी सरकारी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों से राय मांगी है। सरकार का ये कदम छात्रों में बढ़ती सोशल मीडिया की लत और नशीली दवाओं के संपर्क में आने के खतरों को रोकने के लिए उठाया जा रहा है। सीएम ने ऑस्ट्रेलिया जैसे अन्य देशों के उदाहरण देते हुए छात्रों के व्यवहार, शिक्षा और मानसिक स्वास्थ्य पर मोबाइल के प्रभाव को लेकर गहरी चिंता जताई है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीएम सिद्धारमैया ने सरकारी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की बैठक में इस विषय पर राय मांगी है। सीएम ने बैठक में जोर देकर कहा कि आज हम इस पर चर्चा कर रहे हैं कि बच्चे आज सोशल मीडिया के प्रति जुनूनी हो रहे हैं जो उनके भविष्य के लिए चिंताजनक है। उन्होंने कुलपतियों से चर्चा करते हुए कहा कि मोबाइल के जरिए बच्चे नशीली दवाओं के शिकार भी हो रहे हैं। सरकार का मानना है कि मोबाइल फोन के अनियंत्रित इस्तेमाल से छात्रों की शिक्षा और उनके आचरण पर नकारात्मक असर पड़ रहा है। इस गंभीर समस्या से निपटने के लिए ही नाबालिग छात्रों के लिए कैंपस में मोबाइल बैन करने पर विचार किया जा रहा है।

बैठक में सीएम ने बताया कि ऑस्ट्रेलिया समेत कई अन्य देश पहले ही छात्रों के लिए मोबाइल फोन पर बैन लगा चुके हैं। इसी तर्ज पर कर्नाटक सरकार भी नाबालिग छात्रों को मोबाइल से दूर रखकर उनके मानसिक स्वास्थ्य को सुरक्षित करना चाहती है। सीएम ने साफ किया कि चूंकि कुलपति शिक्षा के क्षेत्र में गहरी समझ रखते हैं, इसलिए उनकी राय इस नीति को लागू करने में अहम भूमिका निभाएगी। सरकार अब इन विशेषज्ञों की प्रतिक्रिया का इंतजार कर रही है, ताकि अंतिम फैसला लिया जा सके।

रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार हुए भाजपा विधायक चंद्रू लमानी, अब राजनीति में मचा हड़कंप

बेंगलुरु(एजेंसी)। कर्नाटक में भ्रष्टाचार के विरुद्ध एक बड़ी कार्रवाई करते हुए लोकायुक्त पुलिस ने शिरहट्टी विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक चंद्रू लमानी को गिरफ्तार कर लिया है। विधायक के साथ उनके दो सहायकों, मंजुनाथ वाल्मीकि और गुरुनायक को भी हिरासत में लिया गया है। यह पूरी कार्रवाई सिंचाई परियोजना से जुड़े एक रिश्वत मामले में जाल बिछाकर की गई है, जिसने राज्य की राजनीति में हड़कंप मचा दिया है। मामले का खुलासा तब हुआ जब गदग जिले के चिंचली निवासी प्रथम श्रेणी ठेकेदार विजय पुजारी ने लोकायुक्त में आधिकारिक

शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के अनुसार, लघु सिंचाई विभाग के अंतर्गत सड़क के दोनों ओर रिटेनिंग वॉल (सुरक्षा दीवार) के निर्माण कार्य को सुचारू रूप से चलाने और बकाया बिलों के भुगतान की सुविधा के बदले विधायक द्वारा कथित तौर पर 11 लाख रुपये की रिश्वत मांगी गई थी। लोकायुक्त अधिकारियों ने इस शिकायत पर त्वरित कार्रवाई करते हुए जाल बिछाया और उस समय दबिश दी जब विधायक और उनके सहायकों ने रिश्वत की पहली किस्त के रूप में 5 लाख रुपये स्वीकार किए। पुलिस ने मौके से ही तीनों को हिरासत में लेकर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 के तहत मामला दर्ज कर लिया है। इस गिरफ्तारी के बाद कर्नाटक की सियासत में जुबानी जंग तेज हो गई है। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने विपक्षी दल पर तीखा हमला करते हुए कहा कि विधायक को रंगे हाथों पकड़ा गया है और अब विरोधियों को जवाब देना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार जांच में कोई हस्तक्षेप नहीं करेगी और लोकायुक्त को स्वतंत्र रूप से कार्य करने दिया जाएगा। वहीं, उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने भी व्यंग्यात्मक लहजे में कटाक्ष करते हुए विपक्ष की ईमानदारी पर सवाल उठाए। दूसरी ओर, भाजपा ने इस कार्रवाई पर रक्षात्मक रुख अपनाया है। प्रदेश नेतृत्व का कहना है कि वे तथ्यों की विस्तृत पुष्टि के बाद ही आधिकारिक बयान देंगे, हालांकि पार्टी प्रवक्ताओं ने इसे राजनीतिक प्रतिशोध का हिस्सा बताते हुए आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ दल जानबूझकर विपक्ष के नेताओं को निशाना बना रहा है। विधायक चंद्रू लमानी की गिरफ्तारी की खबर फैलते ही गदग में उनके समर्थकों ने भारी विरोध प्रदर्शन किया। समर्थकों ने इस कार्रवाई को एक गहरी राजनीतिक साजिश करार देते हुए सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

राजस्थान में अंतिम मतदाता सूची जारी, कुल 5.15 करोड़ मतदाता दर्ज

जयपुर। राजस्थान में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) 27 अक्टूबर 2025 से 21 फरवरी 2026 तक चला। शनिवार को अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित की गई, जिसमें कुल 5,15,19,929 मतदाता शामिल हैं। सभी 199 विधानसभा सीटों के लिए नाम सुनिश्चित किए गए हैं। मसौदा सूची और अंतिम सूची के बीच 10,48,605 (2.08त्न) की शुद्ध वृद्धि हुई। पुरुष मतदाता 2,69,57,881 और महिला 2,45,61,486 हैं। समीक्षा अवधि में लिंगानुपात 909 से बढ़कर 911 हुआ। 18-19 वर्ष के मतदाताओं की संख्या में 4,35,061 का इजाफा हुआ। अधिकारियों ने बताया कि नाम जोड़ने, हटाने और संशोधन की प्रक्रिया लगातार चलती रहती है।

मध्यप्रदेश के सात जिलों में बारिश का अलर्ट, राजस्थान में पारा 30 डिग्री के पार

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के पहाड़ी और मैदानी राज्यों में मौसम में बदलाव हो रहा है। मध्य प्रदेश में फरवरी के महीने में चौथी बार बारिश का अलर्ट जारी हुआ है। साइक्लोनिक सर्कुलेशन और टर्फ की सक्रिय की वजह से मौसम बदला है। मौसम विभाग ने मध्यप्रदेश के मंडला, डिंडौरी समेत सात जिलों में पानी गिरने की संभावना जताई है। पिछले 24 घंटे में 15 से ज्यादा जिलों में बारिश हुई। राजस्थान में मौसम में दोबारा बदलाव आया है। सुबह-शाम की सर्दी कम हो गई है। शनिवार को 10 से ज्यादा शहरों का अधिकतम टेम्परेचर 30डिग्री सेल्सियस और उससे ज्यादा रहा।

मौसम विभाग के मुताबिक राजस्थान में अगले 7 दिन बारिश की संभावना नहीं है, आसमान खुला रहेगा। इसके कारण तापमान में 2 से 3डिग्री तक बढ़ोतरी हो सकती है। वहीं जम्मू-कश्मीर में फरवरी का सबसे गर्म दिन 21 फरवरी को रहा। यहां दिन का तापमान 21डिग्री दर्ज किया गया। जो सामान्य से 10 डिग्री ज्यादा है। इससे पहले 24 फरवरी 2016 को 20.6 डिग्री रहा था।

उत्तराखंड के हिमालयी इलाकों में टेम्परेचर 0 डिग्री से नीचे है। मुनस्यारी प्रदेश का सबसे ठंडा स्थान रहा, जहां टेम्परेचर माइनस 240डिग्री रहा। गंगोत्री में -22, बद्रीनाथ में -19, हेमकुंड साहिब में -18 और हर्षिल में -17डिग्री रहा। राज्य में कहीं भी बर्फबारी का अलर्ट नहीं है। 23-24 फरवरी को आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, छत्तीसगढ़ और पश्चिम बंगाल की कुछ जगहों पर बारिश हो सकती है। हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के कई इलाकों में बर्फबारी की संभावना है।

कांग्रेस से निष्कासित नवजोत कौर बनाएगी नई पार्टी, एक साल पति सिद्धू रहेंगे राजनीति से दूर

चंडीगढ़ (एजेंसी)। कांग्रेस से निष्कासित पंजाब की डॉ. नवजोत कौर सिद्धू ने कहा है कि उनके पति नवजोत सिंह सिद्धू अगले एक साल तक सक्रिय राजनीति से दूर रहेंगे। सिद्धू 6 निजी कंपनियों के साथ करार कर चुके हैं, जिसके चलते वे किसी भी राजनीतिक गतिविधि में भाग नहीं लेंगे। नवजोत कौर ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कहा कि यह फैसला पूरी तरह पेशेवर प्रतिबद्धताओं को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। सिद्धू आगामी एक साल तक अपने नए प्रोजेक्ट्स और कार्पोरेट एंगेजमैंट्स पर ध्यान केंद्रित करेंगे। इस घोषणा के बाद पंजाब की राजनीति में हलचल मच गई है। नवजोत कौर ने कहा कि वे जल्द ही अपनी नई राजनीतिक पार्टी का गठन करेंगी। पार्टी का आधिकारिक कार्यालय भी शीघ्र खोला जाएगा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पोस्ट में डॉ. नवजोत कौर सिद्धू ने कई कांग्रेसी नेताओं पर निशाना साधा। उन्होंने लिखा कि पंजाब की राजनीति में भ्रष्टाचार और अवसरवादी राजनीति ने जनता का भरोसा कमजोर किया है। उन्होंने दावा किया कि उनकी नई पार्टी आम लोगों की आवाज बनेगी और राज्य को भ्रष्टाचार और गलत राजनीतिक प्रथाओं से बचाने के लिए प्रतिबद्ध रहेगी। इस पूरे घटनाक्रम ने कांग्रेस के अंदर भी चर्चाओं को जन्म दे दिया है।

कांग्रेस से निष?कासित होने के बाद से नवजोत कौर लगातार पार्टी पर हमलावर हैं। एक दिन पहले ही उन्होंने पंजाब कांग्रेस के प्रमुख अमरिंदर सिंह राजा वडिंग पर गंभीर आरोप लगाए थे। उन्होंने पोस्ट के जरिये राजा वड़िंग से पूछा था कि उन्होंने 100 एकड़ जमीन कैसे खरीदी? साथ ही राजस?थान से जुड़े पंजाब के पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष के साथ? मिलकर 2400 करोड़ रुपए का घोटाला करने का भी आरोप लगाया है। नवजोत कौर ने राजा वड़िंग को चेतावनी देते हुए कहा था कि अब वे कोर्ट में जवाब देने और जेल जाने के लिए तैयार रहें। वहीं नवजोत कौर के इन आरोपों पर वडिंग ने कहा था कि जिन लोगों की मानसिक स्थिति ठीक नहीं होती, उनके बयानों पर रोज प्रतिक्रिया देना उचित नहीं।

अगर 6.5 तीव्रता का भूकंप आया तो कानपुर, प्रयागराज में हो सकता है भारी नुकसान

-आईआईटी कानपुर की रिसर्च से खुलासा, गंगा किनारे और निचले इलाकों में खतरा ज्यादा

कानपुर (एजेंसी)। आईआईटी कानपुर के प्रोफेसर निहार रंजन पात्रा की अगुवाई में की गई रिसर्च में कहा गया है कि अगर 6.5 या उससे ज्यादा तीव्रता का भूकंप कानपुर, प्रयागराज में आता है, तो इन शहरों में भारी नुकसान हो सकता है। खासकर गंगा किनारे और निचले इलाकों में खतरा ज्यादा है। रिसर्च के मुताबिक यहां की जमीन कई जगहों पर ढीली और रेतीली है। ऐसी मिट्टी भूकंप के दौरान ज्यादा हिलती है और झटकों का असर बढ़ा देती है। यही वजह है कि वैज्ञानिकों ने पहले से तैयारी करने पर जोर दिया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक प्रोफेसर निहार रंजन पात्रा को साल 2008 में इस विषय पर रिसर्च के लिए प्रोजेक्ट मिला था। इसके बाद उनकी टीम ने कई साल तक कानपुर और आसपास के इलाकों में सर्वे किया। मिट्टी के नमूने

जुटाए गए और उनकी गहराई से जांच की गई। अध्ययन में जमीन की अलग-अलग परतों और उनके व्यवहार को समझा। कंप्यूटर मॉडल की मदद से यह अनुमान लगाया गया कि अगर बड़ा भूकंप आता है तो किस इलाके में कितना असर पड़ सकता है। इस पूरी रिसर्च के बाद अब साफ संकेत मिल रहे हैं कि कुछ इलाके ज्यादा संवेदनशील हैं।

रिसर्च में सामने आया कि कई जगहों पर ÷लिक्विफैक्शन÷ का खतरा है। इसका मतलब यह है कि भूकंप के तेज झटकों के दौरान ठोस जमीन दलदल जैसी हो सकती है। ऐसी स्थिति में इमारतों की नींव कमजोर हो जाती है। बड़े-बड़े भवन झुक सकते हैं और पुराने मकान गिर सकते हैं। वैज्ञानिकों ने करीब 20 अलग-अलग जगहों से मिट्टी के सैंपल लिए। जांच में पाया गया कि गंगा किनारे के इलाके, पुराने मोहल्ले और ज्यादा आबादी वाले क्षेत्र ज्यादा जोखिम भरे हैं। अगर 6.5 या उससे ज्यादा तीव्रता का भूकंप आता है, तो सड़कें फट सकती हैं, जमीन में दरारें पड़ सकती हैं और कई इमारतों को गंभीर नुकसान पहुंच सकता है।

रिपोर्ट के बाद विशेषज्ञों ने साफ कहा है कि अब लापरवाही की गुंजाइश नहीं है। नई इमारतें बनाते समय भूकंपरोधी डिजाइन का सख्ती से पालन किया जाए। पुराने भवनों की जांच कर उन्हें मजबूत बनाया जाए। स्कूल, अस्पताल और सरकारी दफ्तरों को प्राथमिकता पर सुरक्षित किया जाए, साथ ही आम लोगों को भी जागरूक होना होगा। भूकंप आने पर क्या करना है और क्या नहीं, इसकी जानकारी हर घर तक पहुंचनी चाहिए। प्रशासन को भी आपदा प्रबंधन की तैयारियां मजबूत करनी होंगी, ताकि जरूरत पड़ने पर तुरंत राहत और बचाव का काम शुरू हो सके।

सपा को ऑफिस में चक्कर काटने और चेहरा चमकाने में लगे रहने वालों की जरुरत नहीं!

-अखिलेश ने मिशन 2027 को लेकर बनाई गुप्त रणनीति, तैयार कर रहे नेताओं का लेखा-जोखा

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी में मिशन 2027 को लेकर सियासी सरगर्मियां तेज हो गई हैं। सभी राजनीतिक दल चुनाव में जीत हासिल करने के लिए रणनीति बनाने में जुटे हैं। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने गोपनीय तैयारी शुरू कर दी है, जिसके तहत एक ख़ास लिस्ट तैयार की जा रही है, जिसमें पार्टी कार्यकर्ताओं की गतिविधियों को लेखा-जोखा तैयार किया जाएगा। अखिलेश ने एक ऐसी लिस्ट बनाने के निर्देश दिए हैं जिनमें उन नेताओं और कार्यकर्ताओं को शामिल करने को कहा गया है जो अक्सर पार्टी दफ्तर में घूमते या टहलते नजर आते हैं और अपना ज्यादातर समय सपा ऑफिस में चक्कर काटने या फिर केवल चेहरा चमकाने में लगे रहते हैं बजाय इसके वो जमीनी स्तर पर सपा को मजबूत करने का काम करें।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सपा ने ऐसे नेताओं का लेखा-जोखा बनाया है, जिसमें इन नेताओं की फोटो और फोन नंबर के साथ ये जानकारी भी दर्ज की गई है कि कौन सा कार्यकर्ता कितनी बार पार्टी के ऑफिस में आया, उसने कितनी बार हाथ मिलाया और वो जमीन स्तर पर किस तरह काम कर रहा है ताकि आगामी चुनाव में ऐसे नेता को ही टिकट मिल सके जो जमीन पर लोगों के बीच रहकर पार्टी को मजबूत कर रहा है।

इस रणनीति को गणेश परिक्रमा रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है। सपा अध्यक्ष अखिलेश साफ तौर पर इस डेटा के आधार पर फील्ड और ऑफिस के अंतर को देखना चाहते है ताकि चुनाव में किसी ऐसे नेता को टिकट ना मिले जो सिर्फ पार्टी के मुखिया के सामने चेहरा चमकाने के लिए ऑफिस में ही घूम रहे हैं। इस सूची के जरिए ऐसे नेताओं की छंटनी कर दी जाएगी तो अपना समय बेवजह के कामों में बिता रहे हैं, जिससे साफ है कि अखिलेश इस बार उम्मीदवारों के चयन को लेकर कोई लापरवाही बरतने के मूड में नहीं हैं। चुनाव में ऐसे उम्मीदवारों को प्राथमिकता दी जाएगी जो सबका साथ से ज्यादा सबके काम और कमिटमेंट के साथ काम कर रहे हैं।

6 राज्यों में पूरा हुआ एसआईआर का काम, गुजरात में सबसे अधिक 68 लाख नाम काटे गए

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत निर्वाचन आयोग ने देश के छह राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का कार्य सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। शनिवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, इस प्रक्रिया के दौरान मतदाता सूचियों में अभूतपूर्व बदलाव दर्ज किए गए हैं, जिसके तहत लाखों की संख्या में अपात्र मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं। आयोग की इस कार्रवाई का मुख्य उद्देश्य चुनावी प्रक्रिया की शुचिता सुनिश्चित करना और फर्जी या दोहरे मतदान की संभावनाओं को पूरी तरह समाप्त करना है। इस विशेष अभियान के बाद जारी आंकड़े बताते हैं कि मतदाता सूचियों से अपात्र नामों को हटाने के बाद कई राज्यों की कुल मतदाता संख्या में बड़ी कमी आई है।

पुनरीक्षण के इन आंकड़ों में सबसे चौंकाने वाली गिरावट गुजरात में देखी गई है, जहां निर्वाचन आयोग ने कुल 68,12,711 मतदाताओं के नाम सूची से हटाए हैं। इस प्रक्रिया से पहले गुजरात में कुल मतदाताओं की संख्या 5,08,43,436 थी, जो अब घटकर 4,40,30,725 रह गई है। यह राज्य की कुल मतदाता संख्या में 13.40 प्रतिशत की भारी गिरावट को दर्शाता है। गुजरात के बाद मध्य प्रदेश में भी मतदाता सूची में बड़ी शुद्धि की गई है, जहां 34,25,078 नाम हटाए गए। इसके परिणामस्वरूप मध्य प्रदेश में मतदाताओं की संख्या 5,74,06,143 से कम होकर अब 5,39,81,065 (-5.97 प्रतिशत) पर आ गई है। इसी तरह राजस्थान में 31,36,286 नाम काटे गए, जिससे वहां मतदाताओं की संख्या 5.46 करोड़ से घटकर 5.15 करोड़ रह गई है।

अन्य राज्यों की बात करें तो छत्तीसगढ़ में मतदाता सूची 2,12,30,737 से घटकर 1,87,30,914 रह गई है, यहाँ कुल 24,99,823 नामों की कटौती हुई है। दक्षिण भारतीय राज्य केरल में सूची से 8,97,211 नाम हटाए गए हैं, जिसके बाद अब वहां कुल मतदाताओं की संख्या 2,69,53,644 है। गोवा में भी मतदाताओं की संख्या में 1,27,468 की गिरावट दर्ज की गई है। केंद्र शासित प्रदेशों में भी इसी तरह की सक्रियता देखी गई। पुडुचेरी में 77,367, अंडमान और निकोबार में 52,364 जबकि लक्षद्वीप में सबसे कम केवल 206 नामों में बदलाव हुआ है। चुनाव अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि ये आंकड़े नेट चेंज को दर्शाते हैं, जिसमें हटाए गए अपात्र नामों में से नए जुड़े पात्र मतदाताओं की संख्या को घटाया गया है। नाम हटाने के प्राथमिक कारणों में मतदाता की मृत्यु, स्थायी स्थानांतरण, एक से अधिक स्थानों पर पंजीकरण और अन्य पात्रता संबंधी मुद्दे शामिल हैं।

निर्वाचन आयोग ने स्पष्ट किया है कि यह अभ्यास 12 राज्यों में चलाए जा रहे राष्ट्रव्यापी अभियान का हिस्सा है। पहले चरण के सफल समापन के बाद अब सबकी नजरें उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु पर टिकी हैं। इन तीन बड़े राज्यों के लिए विशेष गहन पुनरीक्षण का डेटा इस महीने के अंत तक जारी होने की संभावना है। आयोग ने इन राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को प्रारंभिक तैयारियां तेज

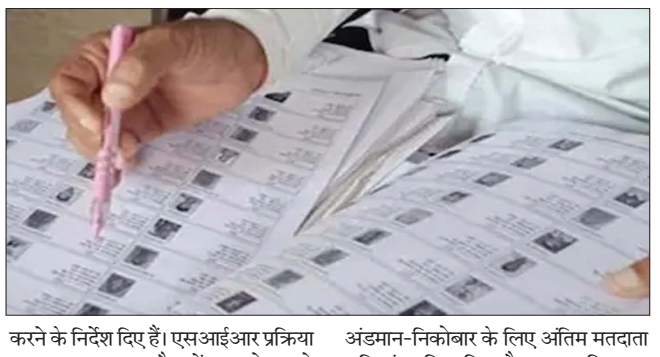

करने के निर्देश दिए हैं। एसआईआर प्रक्रिया का अगला चरण अप्रैल में शुरू होगा, जो मतदाता सत्यापन के देशव्यापी अभियान को आगे बढ़ाएगा। फिलहाल राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, केरल, गोवा और अंडमान-निकोबार के लिए अंतिम मतदाता सूचियां आधिकारिक तौर पर प्रकाशित कर दी गई हैं, जो भविष्य के चुनावों के लिए आधार बनेंगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत का एआई नेतृत्व तकनीक एवं मानवीय मूल्यों का संगम बने

स्वास्थ्य क्षेत्र में एआई की भूमिका क्रांतिकारी सिद्ध हो सकती है। रोगों की प्रारंभिक पहचान, सटीक निदान, दवाओं के शोध और ग्रामीण क्षेत्रों में टेलीमेडिसिन सेवाओं के विस्तार में एआई नई संभावनाएँ लेकर आया है। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में जहाँ स्वास्थ्य संसाधनों का असमान वितरण है, वहाँ एआई आधारित समाधान दूरस्थ क्षेत्रों तक बेहतर सेवाएँ पहुँचाने में सहायक हो सकते हैं। इसी प्रकार कृषि क्षेत्र में मौसम पूर्वानुमान, मृदा विश्लेषण, फसल प्रबंधन और आपूर्ति श्रृंखला के अनुकूलन में एआई किसानों की आय बढ़ाने और जोखिम कम करने का माध्यम बन सकता है।

(लेखक - ललित गर्ग /ईएमएस)

दिल्ली इन दिनों केवल भारत की राजनीतिक राजधानी भर नहीं, बल्कि उभरती तकनीकी चेतना का वैश्विक केंद्र बनी हुई है। 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' ने यह स्पष्ट संकेत दिया है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता अब प्रयोगशालाओं या कॉरपोरेट दफ्तरों तक सीमित तकनीक नहीं रही, बल्कि वह विकास की नई परिभाषा गढ़ने की दिशा में अग्रसर है। दुनिया के विभिन्न देशों, तकनीकी कंपनियों, शोध संस्थानों और नीति-निर्माताओं की उपस्थिति ने इस सम्मेलन को वैश्विक विमर्श का मंच बना दिया है। यह आयोजन इस तथ्य का उद्घोष है कि भारत केवल उपभोक्ता राष्ट्र नहीं, बल्कि एआई युग का नेतृत्वकर्ता बनने की तैयारी में है। आज विश्व जिस तकनीकी संक्रमण से गुजर रहा है, उसमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता निर्णायक भूमिका निभा रही है। स्वास्थ्य, कृषि, शिक्षा, व्यापार, प्रौद्योगिकी, जलवायु परिवर्तन, शासन और आर्थिक विकास-हर क्षेत्र में एआई समाधान की नई संभावनाएँ खोल रहा है। ऐसे समय में भारत का दृष्टिकोण केवल तकनीकी उन्नति तक सीमित नहीं, बल्कि वह इसे मानव-केंद्रित विकास के साथ जोड़ने का प्रयास कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने बार-बार यह स्पष्ट किया है कि तकनीक का अंतिम लक्ष्य मानवता की सेवा होना चाहिए, न कि केवल लाभ और वर्चस्व की दौड़।

भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसकी युवा आबादी है। यदि इस ऊर्जा को गणित, भौतिकी, कंप्यूटर विज्ञान और डाटा विज्ञान जैसे क्षेत्रों में प्रशिक्षित किया जाए तो भारत एआई अनुसंधान और नवाचार में विश्व की अग्रिम पंक्ति में खड़ा हो सकता है। विश्वविद्यालयों और तकनीकी संस्थानों की भूमिका यहाँ अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। हमें ऐसे संस्थानों की आवश्यकता है जो वास्तविक शोध और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दें, न कि केवल झूठे दावों और विज्ञापन के बल पर प्रतिष्ठा अर्जित करने का प्रयास करें। शिक्षा में पारदर्शिता और गुणवत्ता ही उस आधारशिला को मजबूत करेगी जिस पर भारत का एआई भविष्य खड़ा होगा। यह सवाल उठाया जा रहा है कि भारत आज व्यवहार में एआई व रोबोटिक्स के अनुसंधान में कहां खड़ा है? आखिर गलगोटिया यूनिवर्सिटी के नीति-नियंताओं ने यह क्यों नहीं सोचा कि चीन निर्मित एक रोबोट को अपनी उपलब्धि बताने से देश की प्रतिष्ठा को आंच आएगी? अब यूनिवर्सिटी की तरफ से सफाई दी जा रही है कि उसने रोबोट के निर्माण का दावा नहीं किया। वहीं दूसरी ओर उन सरकारी अधिकारियों की भी जवाबदेही तय की जानी चाहिए, जिन्होंने बिना जांच-पड़ताल के विश्वविद्यालय को एआई समिट में स्टॉल लगाने की अनुमति क्यों दी। निश्चित रूप से भारत ने पिछले कुछ वर्षों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित तकनीक व रोबोटिक उत्पादन के क्षेत्र में ऊंची छलांग लगाई है। युवा शक्ति के देश भारत ने एआई के क्षेत्र में अमेरिका व चीन के बाद अपना तीसरा स्थान बनाया है। जिसकी पुष्टि अंतर्राष्ट्रीय मानक संस्थाओं ने भी की है। लेकिन एक विरोधाभासी हकीकत यह है कि भारत दुनिया का सबसे बड़ी आबादी का देश है, जहां श्रम शक्ति प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है।

स्वास्थ्य क्षेत्र में एआई की भूमिका क्रांतिकारी सिद्ध हो सकती है। रोगों की प्रारंभिक पहचान, सटीक निदान, दवाओं के शोध और ग्रामीण क्षेत्रों में टेलीमेडिसिन सेवाओं के विस्तार में एआई नई संभावनाएँ लेकर आया है। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में जहाँ स्वास्थ्य संसाधनों का असमान वितरण है, वहाँ एआई आधारित समाधान दूरस्थ क्षेत्रों तक बेहतर सेवाएँ पहुँचाने में सहायक हो सकते हैं। इसी प्रकार कृषि क्षेत्र में मौसम पूर्वानुमान, मृदा विश्लेषण, फसल प्रबंधन और आपूर्ति श्रृंखला के अनुकूलन में एआई किसानों की आय बढ़ाने और जोखिम कम करने का माध्यम बन सकता है। जलवायु परिवर्तन की चुनौती भी आज मानवता के सामने विकराल रूप में उपस्थित है। चरम मौसम की घटनाएँ, जल संकट और पर्यावरणीय असंतुलन विकास की गति को प्रभावित कर रहे हैं। एआई आधारित मॉडलिंग और डेटा विश्लेषण से प्राकृतिक आपदाओं का पूर्वानुमान, संसाधनों का बेहतर प्रबंधन और टिकाऊ नीतियों का निर्माण संभव है। यदि भारत इन क्षेत्रों में एआई का प्रभावी उपयोग करता है तो वह वैश्विक दक्षिण के देशों के लिए एक मार्गदर्शक मॉडल प्रस्तुत कर सकता है।

शासन और आर्थिक विकास के क्षेत्र में भी एआई पारदर्शिता, जवाबदेही और दक्षता बढ़ाने का माध्यम बन सकता है। सार्वजनिक सेवाओं के डिजिटलीकरण, भ्रष्टाचार पर अंकुश, नीति निर्माण में डेटा-आधारित निर्णय और वित्तीय समावेशन के विस्तार में एआई की महत्वपूर्ण भूमिका है। इससे न केवल प्रशासनिक प्रक्रियाएँ सरल होंगी, बल्कि नागरिकों का विश्वास भी मजबूत होगा। आर्थिक दृष्टि से एआई नवाचार, स्टार्टअप संस्कृति और विनिर्माण क्षेत्र में नई ऊर्जा भर सकता है, जिससे रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। किन्तु इस उजाले के साथ कुछ गहरी छायाएँ भी हैं। एआई के बढ़ते प्रभाव से रोजगार संरचना में परिवर्तन स्वाभाविक है। अनेक पारंपरिक नौकरियाँ समाप्त हो सकती हैं और नई कौशल-आधारित नौकरियों की माँग बढ़ेगी। यदि कौशल विकास और पुनर्प्रशिक्षण पर समय रहते ध्यान नहीं दिया गया तो असमानता और बेरोजगारी की समस्या गहरा सकती है। इसी प्रकार डेटा गोपनीयता, साइबर सुरक्षा, डीपफेक और निगरानी जैसे प्रश्न लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए चुनौती बन सकते हैं। तकनीक का दुरुपयोग सामाजिक विभाजन और सूचना के दुष्प्रचार को बढ़ा सकता है। इसलिए आवश्यक है कि एआई के विकास के साथ नैतिक ढाँचे और नियामक व्यवस्था भी सुदृढ़ हो। भारत को ऐसा मॉडल विकसित करना होगा जिसमें नवाचार की स्वतंत्रता और सामाजिक उत्तरदायित्व का संतुलन बना रहे। 'मानवता केंद्र में' का सिद्धांत केवल नारा न बने, बल्कि नीति और व्यवहार में परिलक्षित हो। एआई का उपयोग यदि समावेशी विकास, लैंगिक समानता और सामाजिक न्याय के लिए किया जाए तो यह तकनीक समाज के कमजोर वर्गों के लिए अवसरों का द्वार खोल सकती है। वैश्विक परिप्रेक्ष्य में देखें तो चीन और अमेरिका एआई के क्षेत्र में तीव्र प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। भारत के सामने चुनौती है कि वह इस दौड़ में अपनी विशिष्ट पहचान बनाए। भारत का लोकतांत्रिक ढाँचा, विविध सांस्कृतिक पृष्ठभूमि और विशाल बाजार उसे एक अलग सामर्थ्य प्रदान करते हैं। यदि वह अनुसंधान में निवेश, स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र के सुदृढ़ीकरण और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को प्राथमिकता दे तो वह एआई के क्षेत्र में निर्णायक भूमिका निभा सकता है। वैश्विक दक्षिण के देशों के लिए सस्ती, सुलभ और मानव-केंद्रित तकनीक उपलब्ध कराकर भारत एक नैतिक नेतृत्व स्थापित कर सकता है।

'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह सम्मेलन केवल विचारों का आदान-प्रदान नहीं, बल्कि भविष्य की संरचना का प्रारूप है। यहाँ से निकले संकल्प यदि नीति और क्रियान्वयन में रूपांतरित होते हैं तो भारत तकनीकी आत्मनिर्भरता की ओर एक बड़ा कदम बढ़ा सकेगा। यह अवसर है कि हम एआई को केवल आर्थिक लाभ का साधन न मानें, बल्कि उसे सामाजिक परिवर्तन और मानव कल्याण के माध्यम के रूप में देखें। आज जब दुनिया में मानवीय मूल्यों का क्षरण चिंता का विषय है, तब भारत के पास अवसर है कि वह तकनीक और नैतिकता के समन्वय का उदाहरण प्रस्तुत करे। एआई का विकास यदि करुणा, समावेशन और सतत विकास के आदर्शों के साथ हो तो यह मानवता के लिए वरदान सिद्ध होगा। भारत को अपने युवाओं, शोधकर्ताओं और नीति-निर्माताओं के माध्यम से यह सुनिश्चित करना होगा कि एआई की यात्रा मानवता के उत्थान की यात्रा बने, न कि केवल प्रतिस्पर्धा और वर्चस्व की।

निस्संदेह, ऐसे वक्त में जब कृषि से लेकर चिकित्सा तक और उत्पादन के क्षेत्र में एआई व रोबोटिक्स की दखल बढ़ रही है, प्रचुर श्रमशक्ति की उपलब्धता के बावजूद भारत को समय के साथ कदमताल करनी होगी। हमें एआई व रोबोटिक्स को अपनाना ही होगा। लेकिन सावधानी के साथ ताकि यह नौकरी खाने वाला बनने के बजाय नौकरी देने वाला बने। समय की पुकार है कि हम तकनीकी प्रगति को राष्ट्रीय संकल्प में बदलें। शिक्षा, अनुसंधान, कौशल विकास और नैतिक नेतृत्व के सहारे भारत एआई युग में एक नई पहचान गढ़ सकता है। यदि हम चुनौतियों को स्वीकार कर दूरदर्शिता से आगे बढ़ें तो यह युग भारत के लिए केवल तकनीकी उन्नति का नहीं, बल्कि वैश्विक नेतृत्व और मानवीय पुनर्जागरण का युग सिद्ध हो सकता है।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अ निवार्य नहीं है)

संपादकीय

ट्रंप की मनमानी पर रोक

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा भारत सहित कई देशों पर लगाए गए टैरिफ को अवैध ठहराया, जिससे उनकी मनमानी पर रोक लगी। यह फैसला ट्रंप के लिए एक बड़ा राजनीतिक झटका है, खासकर मध्यावधि चुनावों से पहले। हालांकि, ट्रंप ने तुरंत 10त्न टैरिफ का कार्यकारी आदेश जारी किया। लेख चेतावनी देता है कि ट्रंप अप्रत्याशित कदम उठा सकते हैं, और भारत को उनसे सतर्क रहना होगा। मुझे टैरिफ से प्यार है और यह मेरा पसंदीदा शब्द है, ऐसा कहकर इतराने वाले राष्ट्रपति ट्रंप की अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने हेकड़ी निकाल दी। उसने अमेरिकी राष्ट्रपति की ओर से भारत समेत तमाम देशों पर थोपे गए टैरिफ को अवैध करार दिया। खास बात यह है कि सुप्रीम कोर्ट के उन दो न्यायाधीशों ने भी ट्रंप की टैरिफ नीति को उनके अधिकार क्षेत्र से बाहर माना, जिनकी नियुक्ति स्वयं उन्होंने की थी। इससे पता चलता है कि ट्रंप टैरिफ के मामले में किस तरह नियम-कानूनों की घोर अनदेखी करने में लगे हुए थे। सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला न केवल ट्रंप की टैरिफ नीति की हवा निकालने वाला, बल्कि उन्हें राजनीतिक रूप से कमजोर करने वाला भी है, क्योंकि वे एक तरह से अवैधानिक काम करते पकड़े गए। ट्रंप अपनी टैरिफ नीति के जरिये अपने समर्थकों के बीच यह माहौल बनाने में जुटे थे कि वे अमेरिका को मालामाल कर रहे हैं, लेकिन अब उन्हें भी ठगे जाने का अहसास होगा और वह भी ऐसे समय, जब अमेरिका में मध्यावधि चुनाव होने हैं। सुप्रीम कोर्ट का फैसला ट्रंप की कम होती लोकप्रियता को और कम करने वाला है और इसका उन्हें राजनीतिक नुकसान उठाना पड़ सकता है, लेकिन यह भी तय है कि वे चैन से बैठने वाले नहीं हैं। इसका एक प्रमाण यह है कि उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के फैसले के कुछ ही घंटों बाद एक कार्यकारी आदेश जारी कर सभी देशों पर दस प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा कर दी। हालांकि इसकी अवधि पांच महीने ही रहेगी, लेकिन इस बीच ट्रंप अन्य उपायों का सहारा लेने की कोशिश कर सकते हैं। ट्रंप अमेरिका के साथ अनुचित एवं भेदभावपूर्ण व्यापार का आरोप लगाकर कुछ देशों पर अतिरिक्त टैरिफ थोप सकते हैं। इसी तरह वैसे आयात पर भी टैरिफ बढ़ा सकते हैं, जिनसे अमेरिका की सुरक्षा के लिए खतरा हो, लेकिन इन उपायों को अमल में लाने के लिए उन्हें जांच के जरिये यह सिद्ध करना होगा कि वास्तव में अमुक-अमुक देश अनुचित व्यापार नीति पर चल रहे हैं या फिर अमेरिकी सुरक्षा के लिए खतरा बने उत्पादों का निर्यात कर रहे हैं। चूंकि ट्रंप अमेरिका को फिर से महान बनाने के नारे के बहाने अपने स्वार्थों को पूरा करने और अपनी छवि चमकाने के फेर में रहते हैं, इसलिए टैरिफ से इतर मामलों में मनमाने, अप्रत्याशित और विश्व को मुश्किल में डालने वाले फैसले ले सकते हैं। अपने लोगों का ध्यान बंटाने के लिए वे ईरान पर हमला कर सकते हैं। वे उसकी घेराबंदी करने में जुटे ही हैं। वे क्यूबा और कुछ अन्य देशों पर भी अपनी निगाह टेढ़ी कर सकते हैं। जो भी हो, भारत को उनसे तब भी सावधान रहना होगा, जब अमेरिका से अंतरिम व्यापार समझौता हो जाए, क्योंकि वे भरोसे के काबिल नहीं रह गए हैं।

एक पृथ्वी, एक मानवता: शांति और समझ का वैश्विक संकल्प।

(लेखक - सुनील कुमार महला /ईएमएस)

हर वर्ष 23 फरवरी को विश्व शांति और समझ दिवस रोटरी इंटरनेशनल की स्थापना की वर्षगांठ के रूप में मनाया जाता है। इस वर्ष रोटरी इंटरनेशनल अपना 121वाँ स्थापना दिवस मना रहा है। पाठकों को बताता चलूं कि यह दिवस इस विचार को रेखांकित करता है कि शांति केवल युद्ध की अनुपस्थिति नहीं है, बल्कि यह तो हमारी आपसी समझ, साझा प्रयासों और समावेशी विकास का परिणाम है। कहना गलत नहीं होगा कि आज के दौर में बढ़ते संघर्ष, युद्ध और तनाव के बीच विश्व शांति मानवता की सबसे बड़ी आवश्यकता बन गई है। वास्तव में, शांति से ही विकास, शिक्षा और समृद्धि का मार्ग प्रशस्त होता है। आपसी समझ और सहिष्णुता किन्हीं भी समाजों को मजबूत व सुदृढ़ बनाती है। यह एक कटु सत्य है कि बिना शांति के न तो सुरक्षा संभव है और न ही किसी देश और समाज की स्थायी प्रगति। इसलिए विश्व शांति केवल एक आदर्श नहीं, बल्कि मानव अस्तित्व के लिए अनिवार्य शर्त है।

बहुत कम लोग जानते हैं कि 'रोटरी' नाम के पीछे भी एक रोचक कारण है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार शुरुआत में इसे 'शांति दिवस' नहीं कहा जाता था। इसका नाम 'रोटरी' इसलिए पड़ा क्योंकि इसके सदस्य अपनी बैठकें हर बार अलग-अलग सदस्यों के कार्यालयों में घुमाकर (रोटेशन के आधार पर) किया करते थे और यही रोटेशन आगे चलकर दुनिया भर में सेवा और शांति का प्रतीक बन गया। एक दिलचस्प तथ्य यह भी है कि द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान, जब दुनिया संघर्षों में उलझी हुई थी, तब रोटरी के सदस्यों ने लंदन में एक सम्मेलन आयोजित किया था। इसी सम्मेलन की बौद्धिक नींव पर आगे चलकर यूनेस्को की स्थापना का मार्ग प्रशस्त हुआ। बहुत कम लोग जानते हैं कि दुनिया की सबसे बड़ी शांति संस्थाओं में से एक की अवधारणा एक क्लब बैठक से प्रेरित थी।

इस दिवस का मूल संदेश यह है कि शांति केवल युद्ध का न होना नहीं है। रोटरी की अवधारणा में शांति का अर्थ लोगों की स्वच्छ पानी तक पहुँच, साक्षरता दर में वृद्धि तथा स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं के विकास से भी जुड़ा है। दूसरे शब्दों में कहें तो सेवा ही शांति का सबसे बड़ा माध्यम है। जब हम भूख, बीमारी (जैसे पोलियो) और अज्ञानता के खिलाफ संघर्ष करते हैं, तो वास्तव में हम शांति की नींव रख रहे होते हैं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार 23 फरवरी 1905 को पॉल पी. हैरिस ने शिकागो (अमेरिका) में इसकी(रोटरी इंटरनेशनल) शुरुआत की थी।पेशे से वे एक वकील थे और उन्होंने अपने तीन मित्रों के साथ मिलकर पहले रोटरी क्लब की बैठक आयोजित की। उनका उद्देश्य एक ऐसा मंच तैयार करना था, जहाँ विभिन्न पृष्ठभूमि के पेशेवर लोग मिलकर विचार साझा कर सकें और समाज के लिए सार्थक कार्य कर सकें। समय के साथ यह एक वैश्विक आंदोलन बन गया और स्थापना दिवस को ही 'विश्व शांति और समझ दिवस' के रूप में मान्यता मिली। उपलब्ध जानकारी के अनुसार आज रोटरी के 200 से अधिक देशों में लगभग 46,000 से अधिक क्लब सक्रिय हैं।

यहाँ पाठकों को बताना आवश्यक है कि रोटरी इंटरनेशनल एक वैश्विक सेवा संगठन है, जिसका मुख्य उद्देश्य मानवता की सेवा करना, समाज में नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देना तथा विश्व में शांति और सद्भाव स्थापित करना है। इसके सदस्य विभिन्न व्यवसायों और पेशों से जुड़े लोग होते हैं, जो स्वेच्छा से समाज सेवा में योगदान देते हैं। यह संगठन शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, जल संरक्षण, रोग उन्मूलन (विशेषकर पोलियो उन्मूलन अभियान) और सामुदायिक विकास जैसे क्षेत्रों में महत्वपूर्ण परियोजनाएँ संचालित करता है। आज इसके विश्वभर में हजारों क्लब और लाखों सदस्य हैं, जो सर्विस अबूव सेल्फ (स्वार्थ से ऊपर सेवा) के आदर्श वाक्य के साथ मानव कल्याण के लिए कार्य कर रहे हैं।

वास्तव में, इस दिवस को मनाने का उद्देश्य, जैसा कि ऊपर भी इस आलेख में चर्चा कर चुका हूं, पूरे विश्व में शांति, सेवा और आपसी समझ को बढ़ावा देना है। आज के दौर में बढ़ती प्रतिस्पर्धा, भौतिकवादी सोच, राजनीतिक और सामाजिक तनाव तथा डिजिटल माध्यमों पर फैलती नकारात्मकता ने लोगों के बीच दूरी बढ़ा दी है। कई बार देश संसाधनों और प्रभुत्व की होड़ में संघर्ष की राह चुन लेते हैं। सहयोग, सेवा-भावना और आपसी सद्भाव धीरे-धीरे कमजोर पड़ते दिखाई देते हैं। एक समय था जब समाज में भाईचारा, सहयोग और मानवता की भावना अधिक प्रबल थी, जबकि आज व्यक्तिगत स्वार्थ और असहिष्णुता कई बार इन मूल्यों पर भारी पड़ती नजर आती है। हालांकि, यह पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। आज भी दुनिया में अनेक लोग और संस्थाएँ शांति, सेवा और मानवता के लिए समर्पित होकर कार्य कर रही हैं।

आवश्यकता इस बात की है कि हम अपने व्यक्तिगत स्तर से छोटे-छोटे प्रयास शुरू करें। दूसरों के प्रति सम्मान, सहानुभूति, सहयोग और संवाद को बढ़ावा दें। यही छोटे कदम बड़े परिवर्तन का आधार बनते हैं। इस दिवस का मुख्य फोकस शांति और सद्भावना को प्रोत्साहित करना, संस्कृतियों और समुदायों के बीच समझ बढ़ाना, संघर्ष की रोकथाम तथा वैश्विक सहयोग और मानवीय एकता को मजबूत करना है। सरल शब्दों में कहें तो यह दिवस पूरे विश्व में शांति, सद्भाव और पारस्परिक समझ को सुदृढ़ करने का संदेश देता है। अंततः यह दिवस हमें सिखाता है कि हमारे छोटे-छोटे सकारात्मक कार्य भी दुनिया में बड़ा बदलाव ला सकते हैं। जब हम एक-दूसरे की सोच और भावनाओं को समझने लगते हैं, तो विवाद स्वतः कम होने लगते हैं। सार यह है कि यदि हम सभी एक-दूसरे की संस्कृतियों, विचारों और जीवन मूल्यों को समझें, तो वैश्विक भाईचारा और शांति मजबूत हो सकती है, और यह संपूर्ण विश्व एक बेहतर स्थान बन सकता है।

(फ्रीलांस राइटर, कॉलमिस्ट व युवा साहित्यकार।)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अ निवार्य नहीं है)

चिंतन मनन

निरोगी काया भी हो ध्येय

सच्चे अर्थों में जीवन उतने ही समय का माना जाता है, जितना स्वस्थतापूर्वक जिया जा सके। कुछ अपवादों को छोड़कर अस्वस्थता अपना निज का उपार्जन है। सृष्टि के सभी प्राणी प्रायः जीवन भर निरोग रहते हैं। मनुष्य की उच्छृंखल आदत ही उसे बीमार बनाती है। जीभ का चटोरापन अतिशय मात्रा में अखाद्य खाने के लिए बाधित करता रहता है। जितना भार उठ नहीं सकता, उतना लादने पर किसी का भी कचूमर निकल सकता है। बिना पचा सड़ता है और सड़न के रक्त प्रवाह में मिल जाने से जहां भी अवसर मिलता है, रोग का लक्षण उभर पड़ता है। अस्वच्छता, पूरी नींद न लेना, कड़े परिश्रम से जी चुराना, नशेबाजी जैसी आदत स्वास्थ्य को जर्जर बनाने का कारण बनते हैं। खुली हवा और रोशनी से बचना, घुटन भरे वातावरण में रहना भी बीमारी का बड़ा कारण है। भय या आक्रोश जैसे उतार-चढ़ाव भी मनोविकार बढ़ाते और व्यक्ति को सनकी, कमजोर व बीमार बनाते हैं। शरीर को निरोगी बनाकर रखना कठिन नहीं है। आहार, श्रम एवं विश्राम का संतुलन बिठाकर हर व्यक्ति आरोग्य एवं दीर्घजीवन पा सकता है। दूसरे नियम भी ऐसे नहीं, जिनकी जानकारी आमजन को न हो सके। उन्हें थोड़े से प्रयास से जाना जा सकता है। आलस्य रहित, श्रमयुक्त व्यवस्थित दिनचर्या का निर्धारण करना सरल है। स्वाद को नहीं-स्वास्थ्य को लक्ष्य करके उपयुक्त भोजन की व्यवस्था हर स्थिति में बनानी संभव है। सुपाच्य आहार समुचित मात्रा में लेना जरा भी कठिन नहीं है। शरीर को उचित विश्राम देकर हर बार तरोताजा बना लेने के लिए कहीं से कुछ लेने नहीं जाना पड़ता। यह सब असंयम एवं असंतुलन वृत्ति के कारण नहीं सध पाता और हम सुर दुर्लभ देह पाकर भी नर्क जैसी यातनाग्रस्त स्थिति में पड़े रहते हैं। शारीरिक आरोग्य के मुख्य आधार संयम एवं नियमितता ही है, इनकी उपेक्षा करके मात्र औषधियों के सहारे आरोग्य लाभ का प्रयास मृग मरीचिका के अतिरिक्त और कुछ नहीं है। आवश्यकता पड़ने पर औषधियों का सहारा लाठी की भांति लिया तो जा सकता है, किन्तु चलना तो पैरों से ही पड़ता है। शारीरिक आरोग्य एवं सशक्तता जिस जीवनीशक्ति के ऊपर आधारित है उसे बनाये रखना इन्हीं माध्यमों से संभव है। शरीर को प्रभु मन्दिर की तरह महत्त्व दें। उसे स्वच्छ, स्वस्थ एवं सक्षम बनाना अपना पुण्य कर्तव्य मानें। उपवास द्वारा स्वाद एवं अति आहार की दुष्प्रवृत्तियों पर अधिकार पाने का प्रयास करें। श्रमशीलता को दिनचर्या में स्थान मिले। थोड़ी-सी तत्परता बरतकर यह सब साधा जाना संभव है।

विचार मंथन

गिरगिट से ज्यादा तेज गति से रंग बदलते हैं ट्रंप

(लेखक- सनत जैन)

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सारी दुनिया में चर्चा हो रही है। पिछले एक वर्ष में जिस तरह से उन्होंने निर्णय लिए हैं उनके निर्णय के कारण जिस तरह की अनिश्चित अमेरिका के साथ-साथ सारी दुनिया के देशों में देखने को मिल रही है, उसके बाद लोग यह कहने लगे हैं, कि गिरगिट भी देर से रंग बदलता है लेकिन ट्रंप उससे जल्दी रंग बदल लेते हैं। हाल ही में अमेरिका की सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा विभिन्न देशों के ऊपर जो टैरिफ लगाए गए थे उसे निरस्त कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने उसे अवैधानिक माना है। इसके तुरंत बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक नया फैसला लिया, जिसमें 10 फ़ीसदी टैरिफ को लगाने का फैसला किया था। अदालत के फैसले के कुछ ही घंटे के बाद उन्होंने शुक्रवार को 10 फ़ीसदी टैरिफ लगाने की घोषणा की थी, लेकिन शनिवार को उसे बढ़ाकर 15 फ़ीसदी कर दिया। 24 फरवरी से 24 जुलाई तक सभी देशों की अलग-अलग दरों के स्थान पर अगले 150 दिन अर्थात 15 जुलाई तक 15 फ़ीसदी टैरिफ़ वसूल किया जाएगा। इसका असर भारत पर भी पड़ने जा रहा है। भारत के फार्मा और पेट्रो पर तीन फ़ीसदी टेरिफ़ लगेगा लेकिन बाकी सभी चीजों पर अब 15 फ़ीसदी टैरिफ अमेरिका में जो भी माल भेजा जाएगा उस पर लगेगा। भारत के संबंध में बात की जाए तो पहले उन्होंने 50 फ़ीसदी टैरिफ लगाया, 2 फरवरी को अंतरिम ट्रेड डील पर सहमति जताते हुए टैरिफ को 18 फ़ीसदी किया था। उसके बाद 10 फीसदी टैरिफ लगाया गया। अब उसे बढ़ाकर 15 फ़ीसदी कर दिया गया है। दूसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति बनने के बाद जिस तरह की अनिश्चितता अमेरिका को लेकर सारी दुनिया में देखने को मिल रही है उसमें भले अभी ट्रंप को कुछ फायदा हो रहा हो लेकिन जिस तरह से अमेरिका की साख को बट्टा लग रहा है उसके बाद सारी दुनिया में यह धारणा बनने लगी है अमेरिका को जिस दिशा में डोनाल्ड ट्रंप ले जाना चाहते हैं। उसके कारण अमेरिका कुछ ही महीना में बहुत बड़ी मुसीबत में फंस सकता है। डोनाल्ड ट्रंप द्वारा जो निर्णय लिए जा रहे हैं इसका सबसे बड़ा दुष्प्रभाव अमेरिका के ऊपर ही पड़ रहा है। अमेरिका में लगातार महंगाई बढ़ती जा रही है। अमेरिका की ट्रेजरी से विभिन्न देशों ने अपना सोना और बांड के रूप में जमा राशि को निकालना शुरू कर दिया है। अमेरिका की जो विश्व में साख पिछले कई दशकों में बनी हुई थी वह तार-तार हो गई है। कारोबारी और विभिन्न देशों की सरकारों को अमेरिका के ऊपर भरोसा नहीं रहा, जिसके कारण अमेरिका अपने सबसे बुरे दौर से गुजर रहा है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश को नहीं मानकर उन्होंने वैकल्पिक तरीके से सारी दुनिया के देशों से जो 15 फ़ीसदी टैक्स एक जजिया-कर की तरह वसूल करने की कोशिश की है, वह अपने निर्णय के माध्यम से दबाव बनाकर दुनिया के विभिन्न देशों में अपने परिवार और पारिवारिक कंपनियों को जो लाभ पहुंचाना चाहते हैं उसकी यह रणनीति चर्चा का विषय बन गई है।

कारोबारी और विभिन्न देशों की सरकारें अमेरिका से दूरी बनाने लगी है। अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लिए भी आंतरिक चुनौतियों राजनीतिक आधार पर बनना शुरू हो गई हैं। सड़कों पर उनका विरोध शुरू हो गया है। विभिन्न राज्यों में डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ संघीय व्यवस्था को खत्म करने और डिक्टेटर वाले निर्णय लेने से बगावत जैसी स्थिति देखने को मिलने लगी है। अमेरिका कभी पूरी दुनिया का नेतृत्व करता था लेकिन अब यह स्थिति बदलती हुई दिख रही है। रूस, चीन जैसे देश अमेरिका के समानांतर एक नई वैकल्पिक व्यापारिक व्यवस्था विकसित करने की बात कर रहे हैं। वैकल्पिक मुद्रा तैयार कर रहे हैं। जिसको दुनिया के अन्य देशों का भी बड़े पैमाने पर समर्थन मिल रहा है। अभी तक अमेरिका को जो डॉलर के कारण कमाई हो रही थी अब वह कमाई भी खतरे में पडती हुई दिख रही है। डोनाल्ड ट्रंप बहुत जल्दबाजी में है। उनके कार्यकाल का एक वर्ष एक माह लगभग खत्म हो चुका है उनके लिए 2 वर्ष और 11 में शेष हैं। इस बीच में वह अपने परिवार और अपने लिए वह सब कुछ कर लेना चाहते हैं जो वह सोचते हैं। लेकिन यह संभव नहीं होगा। डोनाल्ड ट्रंप के निर्णयों के कारण अमेरिका के साथ-साथ सारी दुनिया के देशों में उनका विरोध बढ़ता चला जा रहा है। व्यापार और संबंध मैं विश्वास होना जरूरी होता था। वह विश्वास डोनाल्ड ट्रंप और अमेरिका के ऊपर देखने को नहीं मिल रहा है। सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के बाद जिस तरह से डोनाल्ड ट्रंप आक्रामक होकर मनमाने फैसले ले रहे हैं उसके बाद यह माना जा रहा है कि जल्द ही उनके खिलाफ अमेरिका में विद्रोह शुरू हो सकता है। डोनाल्ड ट्रंप बहुत जिद्दी हैं। यह उनका व्यक्तिगत दुर्गुण है, जिसका खामियाजा आगे चलकर अमेरिका को चुकाना पड़ेगा। इसमें अब कोई संदेह नहीं रहा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अरविंदो फार्मा को पेन-जी उत्पादन 10,000 टन तक पहुंचने की उम्मीद

नई दिल्ली । हैदराबाद स्थित दवा निर्माता अरविंदो फार्मा अगले 12 महीनों में अपने पेनिसिलिन-जी (पेन-जी) उत्पादन को वार्षिक आधार पर 10,000 टन से अधिक करने की उम्मीद कर रही है। कंपनी के एक वे रिष्ठ वित्त अधिकारी ने विश्लेषकों से बातचीत में बताया कि पेन-जी संयंत्र में उत्पादन बढ़ाने का काम उम्मीदों के अनुरूप हो रहा है और आने वाले समय में मुनाफे में महत्वपूर्ण वृद्धि लाने के लिए तैयार है। उन्होंने यह भी कहा कि चीन स्थित कंपनी का विनिर्माण संयंत्र चौथी तिमाही में कर-पूर्व आय (ऐ बिटा) के घाटे से उबरने की ओर है। आने वाले साल में यह संयंत्र कंपनी के शुद्ध लाभ में महत्वपूर्ण योगदान देगा। आंध्र प्रदेश के काकीनाडा सेज में मौजूद पेन-जी इकाई की कुल उत्पादन क्षमता 15,000 टन प्रति वर्ष तक पहुंच सकती है। वर्तमान में उत्पादन स्तर स्थिर है और इसमें लगातार सुधार हो रहा है।

दीर्घावधि में दोपहिया उद्योग 8-9 फीसदी सालाना बढ़ने की संभावना- टीवीएस मोटर्स

- अगले वित्त वर्ष की पहली छमाही बेहद अच्छी रहने की संभावन

नई दिल्ली । टीवीएस मोटर कंपनी के एक प्रमुख अे धिकारी ने कहा है कि भारत का दोपहिया उद्योग आने वाले वर्षों में सालाना 8-9 प्रतिशत की दर से बढ़ने की संभावना रखता है। उन्होंने यह वृद्धि मुख्य रूप से जीएसटी दरों में कटौती, बुनियादी ढांचे पर निवेश और अर्थव्यवस्था की समग्र वृद्धि से जोड़कर बताया। उन्होंने विश्लेषकों से बातचीत में कहा कि यह उद्योग दीर्घावधि में स्थिर और मजबूत विकास की दिशा में है। चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही सिर्फ 2 प्रतिशत वृद्धि दर्ज कर सकी थी। उन्होंने उम्मीद जताई कि पूरे वित्त वर्ष में यह वृद्धि लगभग 9 प्रतिशत तक पहुंच सकती है। जीएसटी कटौती का लाभ उद्योग को मिल रहा है और अगले वित्त वर्ष की पहली छमाही बेहद अच्छी रहने की संभावना है। अे धिकारी ने बताया कि चौथी तिमाही में उद्योग की वृद्धि 15 प्रतिशत से अधिक हो सकती है, जो कि साल के लिए सबसे मजबूत वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि पिछले साल सितंबर में लागू जीएसटी दरों में कटौती का असर अब चौथी तिमाही में स्पष्ट दिखेगा। उन्होंने कहा कि सड़क संपर्क में सुधार और सार्वजनिक परिवहन की चुनौतियों के कारण निजी परिवहन, विशेष रूप से दोपहिया वाहन, ग्राहकों के लिए आकर्षक विकल्प बने हैं। इसके अलावा, भारत में स्व-रोजगार वाले लोगों का बड़ा हिस्सा इसे खरीद सकते हैं और इसका इस्तेमाल अपने काम और दैनिक परिवहन में कर सकते हैं।

गेवरा खदान अगले साल बनेगी दुनिया की सबसे बड़ी कोयला खदान

- गेवरा खदान अगले वित्त वर्ष में 6.3 करोड़ टन कोयला उत्पादन करने का लक्ष्य

कोरबा। कोल इंडिया की अनुषंगी कंपनी साउथ ईस्टर्न कोल फील्ड लिमिटेड (एसईसीएल) द्वारा संचालित गेवरा खदान, भारत की सबसे बड़ी खुली कोयला खदान है। 1981 से संचालित यह खदान देश में कोयले की आपूर्ति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। एसईसीएल के एक अे धिकारी ने बताया कि गेवरा खदान अगले वित्त वर्ष में 6.3 करोड़ टन कोयला उत्पादन करने का लक्ष्य रखती है। वर्तमान वित्त वर्ष में खदान का उत्पादन लक्ष्य 5.6 करोड़ टन है। खदान को अपनी अधिकतम क्षमता 7 करोड़ टन प्रति वर्ष तक बढ़ाने के लिए पर्यावरण मंजूरी भी पहले ही मिल चुकी है। अभी दुनिया की सबसे बड़ी कोयला खदान अमेरिका के व्योमिंग स्थित ब्लैक थंडर खदान है, जो लगभग 6.1-6.2 करोड़ टन कोयला उत्पादन करती है। यदि गेवरा खदान अपना अगला साल का लक्ष्य पूरा करती है, तो यह ब्लैक थंडर को पीछे छोड़ते हुए दुनिया की सबसे बड़ी कोयला उत्पादक खदान बन जाएगी। इसके बाद अमेरिका की नॉर्थ एंटीलोप रोशेल खदान का स्थान आता है। अे धिकारी ने कहा कि इस महत्वाकांक्षी लक्ष्य को पूरा करने के लिए आवश्यक सभी संसाधन मौजूद हैं। इसमें शामिल हैं- पर्याप्त भूमि, आधुनिक मशीनरी, कुशल जनशक्ति और ग्राहकों की मजबूत मांग। उन्होंने यह भी बताया कि टीम ने अग्रिम योजना के साथ हर संसाधन को सुनिश्चित कर लिया है।

सेंसेक्स की छह कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 63,478 करोड़ बढ़ा

- शीर्ष 10 कंप नियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्री पहले स्थान पर बरकरार रही

नई दिल्ली ।

पिछले सप्ताह शीर्ष 10 कंपनियों के बाजार पूंजीकरण में महत्वपूर्ण बदलाव देखने को मिला। कुल मिलाकर छह कंपनियों ने लाभ कमाया, जबकि चार कंपनियों के मूल्यांकन में गिरावट आई। सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से छह कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में पिछले सप्ताह सामूहिक रूप से 63,478.46 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। सबसे ज्यादा लाभ लार्सन एंड टुब्रो और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में लार्सन एंड टुब्रो, एसबीआई, एचडीएफसी बैंक, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी), बजाज फ़ाइनेंस और रिलायंस इंडस्ट्रीज को लाभ हुआ। वहीं भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, इन्फोसिस और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के मूल्यांकन में गिरावट आई।

सप्ताह के दौरान लार्सन एंड टुब्रो का बाजार मूल्यांकन 28,523.31 करोड़ बढ़कर 6,02,552.24 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। एसबीआई की बाजार हैसियत 16,015.12 करोड़ बढ़कर 11,22,581.56 करोड़ हो गई। एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 9,617.56 करोड़ बढ़कर 14,03,239.48 करोड़ रुपये और एलआईसी का मूल्यांकन 5,977.12 करोड़ बढ़कर 5,52,203.92 करोड़ रुपये हो गया।बजाज फाइनेंस की बाजार हैसियत 3,142.36 करोड़ बढ़कर 6,40,387 करोड़ रही। रिलायंस इंडस्ट्रीज का मूल्यांकन 202.99 करोड़ रुपये बढ़कर 19,21,678.78 करोड़ रुपये हो गया।इस रुख के उलट भारती एयरटेल का मूल्यांकन 15,338.66 करोड़ रुपये घटकर 11,27,705.37 करोड़ रुपये रह गया। ईसीआईसीआई बैंक की बाजार हैसियत 14,632.10 करोड़ रुपये घटकर 9,97,346.67 करोड़ रुपये रह गई।

इन्फोसिस का बाजार पूंजीकरण 6,791.58 करोड़ रुपये घटकर 5,48,496.14 करोड़ रुपये पर और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज का मूल्यांकन 1,989.95 करोड़ रुपये घटकर 9,72,053.48 करोड़ रुपये पर आ गया।

शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही। उसके बाद क्रमशः एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, एसबीआई, आईसीआईसीआई बैंक, टीसीएस, बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो, एलआईसी और इन्फोसिस का स्थान रहा।

बिजली की बढ़ती खपत से कोयले की मांग में तेजी आने की उम्मीद

- दिसंबर में 6.3 फीसदी बढ़ी, जनवरी में भी कड़ाके की सर्दी की वजह से मांग बढ़ी

नई दिल्ली । देश में बिजली की खपत में बढ़ोतरी के चलते कोयले की मांग आने वाले दिनों में तेज होने की संभावना है। एमजंक्शन सर्विसेज लिमिटेड के एक प्रमुख अे धिकारी ने बताया कि अक्टूबर और नवंबर में बिजली की मांग में नकारात्मक वृद्धि देखने को मिली, लेकिन दिसंबर में यह 6.3 फीसदी बढ़ गई। जनवरी में भी कड़ाके की सर्दी और आर्थिक गतिविधियों में सुधार की वजह से बिजली की खपत बढ़ती रही। हालांकि, चालू वित्त वर्ष में कोयले की मांग कमजोर बनी हुई है। देश का कोयला क्षेत्र एक अरब टन उत्पादन का रिकॉर्ड बनाने के बाद अचानक मांग में गिरावट का सामना कर रहा है। इससे बड़ी सार्वजनिक कंपनियों और नई वाणिज्यिक खनन कंपनियों की विस्तार योजनाओं में अनिश्चितता पैदा हुई है। एमजंक्शन, जो सेल और टाटा स्टील का संयुक्त उद्यम है, 24-25 फरवरी को कोलकाता में 19वां भारतीय कोयला बाजार सम्मेलन कोआलोसेमन्द कोल बैटलग्राउंड का आयोजन कर रहा है। इस सम्मेलन में कोयला, बिजली, सीमेंट, स्टील और लॉजिस्टिक्स सहित 36 प्रमुख उद्योगपति अपनी राय साझा करेंगे। विशेषज्ञों का मानना है कि बिजली की खपत में बढ़ोतरी के चलते आने वाले महीनों में कोयले की मांग में मजबूती देखने को मिल सकती है।

शेयर बाजार पर दिखेगा अमेरिकी आयात शुल्क में बदलाव का असर

वैश्विक व्यापार और अमेरिकी आयात नीति पर अस्थिरता के बावजूद निवेशकों में सकारात्मक उम्मीदें

मुंबई ।

भारत का शेयर बाजार पिछले सप्ताह तेज बढ़त के साथ बंद हुआ और निवेशकों की निगाहें अब इस सप्ताह पर टिकी हैं। इसका प्रमुख कारण अमेरिका में आयात शुल्कों में हाल ही में हुए बदलाव हैं, जो वैश्विक व्यापार और निवेश धाराओं पर सीधे असर डालते हैं। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा विभिन्न देशों पर लगाए गए ऊंचे आयात शुल्कों को रद्द कर दिया, जिससे वैश्विक बाजारों में नई उम्मीदें जगी हैं। इस फैसले के बाद ट्रंप प्रशासन ने 20 फरवरी को घोषणा की कि सभी देशों के लिए 150 दिन के लिए 10 प्रतिशत आयात शुल्क लागू होगा, जो 24 फरवरी से प्रभावी होगा। हालांकि, 21 फरवरी को ट्रंप ने सोशल मीडिया के जरिए कहा कि यह दर 10 प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत कर दी गई है, लेकिन अभी तक इसके लिए कोई औपचारिक आदेश जारी नहीं हुआ है। इस कदम से वैश्विक व्यापार और अमेरिकी आयात नीति पर अस्थिरता के बावजूद, निवेशकों में सकारात्मक उम्मीदें बनी हैं। भारत-अमेरिका के बीच हुए अंतरिम व्यापार समझौते के तहत अमेरिका ने भारतीय निर्यात पर 18 प्रतिशत आयात शुल्क लगाने का प्रावधान किया था। अगर अमेरिकी प्रशासन वास्तव में इस दर को 10-15 प्रतिशत तक कम करता है, तो भारतीय उत्पाद अमेरिका में सस्ते होंगे, जिससे निर्यात बढ़ सकता है। यह स्थिति भारतीय कंपनियों के वित्तीय प्रदर्शन और विदेशी निवेश प्रवाह के लिए लाभकारी हो सकती है। विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिकी आयात शुल्क में संभावित कमी से भारतीय शेयर बाजार में लिवाल निवेशकों की संख्या बढ़ सकती है। इसके परिणामस्वरूप पिछले सप्ताह की तेजी इस सप्ताह भी जारी रहने की संभावना है। विशेष रूप से उन सेक्टर्स में, जो अमेरिका के निर्यात पर निर्भर हैं, निवेशकों की रुचि अधिक रहेगी।

तेल-तिलहन और कपास बाजार में दबाव, सोयाबीन तेल में मामूली सुधार

अगले 10-15 दिन में आवक बढ़ने की संभावना है, जिससे कीमतों पर और दबाव रहेगा

नई दिल्ली ।

सरकार की ओर से पुराने स्टॉक की बिक्री और नयी फसल की आवक शुरू होने से सरसों और सरसों तेल-तिलहन के दाम गिर गए। अगले 10-15 दिन में आवक बढ़ने की संभावना है, जिससे कीमतों पर और दबाव रहेगा। महंगे सरसों तेल की खपत तभी बढ़ेगी जब इसका दाम सोयाबीन तेल से 5-7 रुपये प्रति किलो कम होगा। सोयाबीन के तेल रहित खल (डीओसी) की कमजोर स्थानीय मांग और सरकारी बिक्री के कारण सोयाबीन तिलहन के दाम में गिरावट आई। हालांकि, सोयाबीन तेल की आयात कम होने और मांग बने रहने से कीमतों में मामूली सुधार देखा गया। मूंगफली तेल-तिलहन के दाम में गिरावट रही, वहीं मजबूत आय वर्ग में साबुत मूंगफली और गुणवत्ता वाले तेल की स्थिर मांग बनी है। मूंगफली की खराब धारणा से बिनौला तेल के दाम भी नीचे गए। मलेशिया एक्सचेंज में तेजी के कारण पाम और पामोलीन के दाम बढ़े। अमेरिकी शुल्क फैसले के रद्द होने का असर अगले सप्ताह स्पष्ट होगा। सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाना 235 रुपये की गिरावट के साथ 6,675-6,700 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। दादरी मंडी में बिकने वाला सरसों तेल 400 रुपये की गिरावट के साथ 13,800 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 65-65 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 2,325-2,425 रुपये और 2,325-2,470 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज के थोक भाव क्रमशः 75-75 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 5,275-5,325 रुपये और 4,875-4,925 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए। दूसरी ओर दिल्ली में सोयाबीन तेल 50 रुपये के सुधार के साथ 14,400 रुपये प्रति क्विंटल, इंदौर में सोयाबीन तेल 50 रुपये के सुधार के साथ 14,000 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल का दाम 50 रुपये के सुधार के साथ 11,250 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरकारी बिकवाली के दबाव में मूंगफली तेल-तिलहन के दाम में गिरावट रही।

पीआई इंडस्ट्रीज ने निवेशकों के लिए घोषित किया 500 फीसदी अंतरिम डिविडेंड

नई दिल्ली । एग्रीकेमिकल कंपनी पीआई इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने वित्त वर्ष 26 के लिए 500 फीसदी का अंतरिम डिविडेंड घोषित किया है। इसका मतलब है कि 1 रुपये के हर शेयर पर 5 रुपये का डिविडेंड मिलेगा। यह फैसला 12 फरवरी को हुई बोर्ड बैठक में लिया गया। डिविडेंड पाने के लिए रिकॉर्ड डेट 23 फरवरी 2026 तय की गई है। इस दिन तक शेयर रखने वाले निवेशक डिविडेंड के हकदार होंगे। कंपनी के तीसरी तिमाही के नतीजे पिछले साल की तुलना में कमजोर रहे। नेट प्रॉफिट 16.4 फीसदी गिरकर 311 करोड़ रुपये रह गया। रेवेन्यू 1,900 करोड़ रुपये से घटकर 1,375 करोड़ रुपये हो गया। ऐ बिटा में 41.1 फीसदी की गिरावट आई और यह 301.2 करोड़ रुपये पर पहुंचा। मार्जिन भी 26.9 फीसदी से घटकर 21.9 फीसदी हो गया। पीआई की स्थापना 1946 में हुई थी, भारत की प्रमुख एग्रीसाइंस कंपनियों में से एक है। कंपनी पेस्टिसाइड्स, कीटनाशक और फंगीसाइड्स बनाती है और इन्हें घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजार में बेचती है।

बीयर उद्योग उत्तर प्रदेश में 5,500 करोड़ का निवेश करेगा

- 2,000 करोड़ के निवेश वाले दो बड़े एल्युमीनियम कैन उत्पादन संयंत्र पाइपलाइन में

नई दिल्ली ।

ब्रूअर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (बीएआई) ने घोषणा की है कि बीयर उद्योग अगले तीन साल में उत्तर प्रदेश में नई इकाइयों और सहायक सुविधाओं में लगभग 5,500 करोड़ रुपये का निवेश करेगा। बीएआई के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने बताया कि उद्योग राज्य में बड़ा दांव लगा रहा है और नई आबकारी नीति को प्रगतिशील बताते हुए इसका स्वागत किया है। अे धिकारी ने कहा कि 1,500 करोड़ रुपये की लागत वाली दो नई ब्रूअरीज पर काम पहले से ही चल रहा है। इसके अलावा, 2,000 करोड़ रुपये के निवेश वाले दो बड़े एल्युमीनियम कैन उत्पादन संयंत्र पाइपलाइन में हैं। इसी तरह, 2,000 करोड़ रुपये की लागत वाली कुछ ग्लास उत्पादन इकाइयाँ भी जल्द शुरू होंगी। इसके अतिरिक्त माल्टिंग और पेपर बॉक्स निर्माण इकाइयों की योजना भी तैयार की जा रही है। बीएआई के अनुसार इन सभी निवेशों से न केवल उद्योग को बड़ा बढ़ावा मिलेगा, बल्कि राज्य में नई नौकरियों का सृजन भी होगा। यह निवेश उत्तर प्रदेश को बीयर उद्योग में एक प्रमुख केंद्र बनाने में मदद करेगा। बीएआई तीन प्रमुख कंपनियों - यूनाइटेड ब्रूअरीज लिमिटेड (यूबीएल), एबीइनबेवऔर कार्ल्सबर्ग का प्रतिनिधित्व करती है। ये कंपनियां भारत में बिकने वाली कुल बीयर का 85 प्रतिशत नियंत्रित करती हैं और देश में 55 से अधिक ब्रूअरीज संचालित करती हैं। उत्तर प्रदेश सरकार ने 2026-27 के लिए नई आबकारी नीति लागू की है। बीएआई के मुताबिक यह नीति लाइसेंसिंग और मंजूरी प्रक्रिया में अधिक पारदर्शिता लाती है और कराधान, वितरण और लाइसेंसिंग के नियम स्पष्ट करती है।

फरवरी के आखिरी हफ्ते में निवेशकों के लिए डिविडेंड का अवसर

- छह बड़ी कंपनियां अपने शेयरधारकों को इंटरिम डिविडेंड देंगी

नई दिल्ली ।

शेयर बाजार में निवेशकों के लिए फरवरी का आखिरी हफ्ता खास रहने वाला है। छह बड़ी कंपनियां अपने शेयरधारकों को इंटरिम डिविडेंड देने जा रही हैं। डिविडेंड का मतलब है कि कंपनी अपने मुनाफे का एक हिस्सा निवेशकों को नकद के रूप में देती है। यदि आपके पास शेयर एक्स-डेट से पहले हैं, तो आप डिविडेंड के हकदार होंगे।

सोमवार को पहला नंबर है पीआई कंपनी का। कंपनी का सिक्योरिटी कोड 523642 और सिक्योरिटी नेम पीआईआईएनडी है। कंपनी ने 23 फरवरी को एक्स-डेट और रिकॉर्ड डेट तय की है। कंपनी 5 रुपये प्रति शेयर का अंतरिम डिविडेंड दे रही है। 24 फरवरी को एक्स-डेट पर ट्रेड करेगी। रिकॉर्ड डेट भी 24 फरवरी ही है। कंपनी ने 22 रुपये प्रति शेयर का अंतरिम डिविडेंड घोषित किया है। यह इस सूची में सबसे ज्यादा प्रति शेयर डिविडेंड है। 25 फरवरी को एनबीसीसी की बारी है। कंपनी ने 0.1200 रुपये प्रति शेयर का अंतरिम डिविडेंड घोषित किया है। एक्स-डेट और रिकॉर्ड डेट दोनों 25 फरवरी तय की गई हैं। 26 को स्टार्टमांट कंपनी एक्स-डेट पर जाएगी। कंपनी 0.1000 रुपये प्रति शेयर का अंतरिम डिविडेंड दे रही है। रिकॉर्ड डेट भी 26 फरवरी ही है। 27 फरवरी को दो कंपनियां एक साथ एक्स-डेट पर ट्रेड करेंगी। पहली है धनसेरी। कंपनी ने 3.5000 रुपये प्रति शेयर का अंतरिम डिविडेंड घोषित किया है। एक्स-डेट और रिकॉर्ड डेट 27 फरवरी तय की गई हैं। इसकी रिकॉर्ड डेट भी 27 फरवरी है।

अब एनएसई पर 1000 गुना बढ़ जाएगी ट्रेडिंग की रफ्तार

- 10 करोड़ ट्रांजेक्शन प्रति सेकंड की क्षमता

मुंबई ।

देश का प्रमुख शेयर बाजार नेशनल स्टॉक एक्सचेंज आफ इं डिया 11 अप्रैल से अपने ट्रेडिंग सिस्टम को नैनोसेकंड स्तर पर अपग्रेड करने जा रहा है। यह घोषणा एक्सचेंज के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने एसोसिएशन ऑफ एनएसई मेंबर्स ऑफ इंडिया (एएनएमआई) के एक कार्यक्रम में की। उन्होंने कहा कि नया सिस्टम मौजूदा स्पीड से करीब 1000 गुना तेज होगा और असली रियल-टाइम फाइनेंस की दिशा में बड़ा कदम साबित होगा। फिलहाल एनएसई का रिस्पॉन्स टाइम लगभग 100 माइक्रोसेकंड है, जिससे एक्सचेंज एक सेकंड में 50 से 60 लाख ट्रांजेक्शन प्रोसेस कर पाता है। अपग्रेड के बाद यह क्षमता बढ़कर लगभग 10 करोड़ (100 मिलियन) ट्रांजेक्शन प्रति सेकंड हो जाएगी। एक सेकंड में 10 लाख माइक्रोसेकंड होते हैं, जबकि एक नैनोसेकंड सेकंड का अरबवां हिस्सा है। इतनी तेज स्पीड से ऑर्डर मैचिंग और एक्जीक्यूशन में देरी लगभग समाप्त हो जाएगी। जार में अलग-अलग सेगमेंट में ट्रेडिंग गतिविधि लगातार बढ़ रही है। बढ़ते वॉल्यूम को संभालने के लिए एक्सचेंज अपने इंफ्रास्ट्रक्चर को भी मजबूत कर रहा है। वर्तमान में कोलोकेशन में 2000 से अधिक रैक्स हैं, जिन्हें बढ़ाकर 4500 तक ले जाने की क्षमता विकसित की जा रही है। इससे हाई-फ्रीक्वेंसी और बड़े निवेशकों को तेज निष्पादन का लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि इतनी हाई स्पीड के साथ साइबर जोखिम भी बढ़ जाता है। उन्होंने ब्रोकर्स और टेक्नोलॉजी वेंडर्स से साइबर सिक्योरिटी को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की अपील की, ताकि सिस्टम की स्थिरता और विश्वसनीयता बनी रहे।

अदाणी गंगावरम पोर्ट में लौह अयस्क ब्लेंडिंग और सेज के लिए साझेदारी

एपीएसईजेड, एनएमडीसी और वेले ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए

नई दिल्ली ।

अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकॉनमिक जोन लिमिटेड (एपीएसईजेड) ने अपनी अनुषंगी कंपनी अदाणी गंगावरम पोर्ट लिमिटेड के माध्यम से गंगावरम बंदरगाह पर लौह अयस्क मिश्रण (ब्लेंडिंग) सुविधा और समर्पित विशेष आर्थिक क्षेत्र (सेज) विकसित करने के लिए एनएमडीसी लिमिटेड और ब्राजील की वेले एसए के साथ रणनीतिक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। यह एमओयू ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा की भारत यात्रा के दौरान नयी दिल्ली में आयोजित भारत-ब्राजील व्यापार मंच सम्मेलन में किया गया। समझौते के तहत तीनों पक्ष मिलकर लौह अयस्क मिश्रण, मूल्य वर्धन और इसके वाणिज्यिकरण के लिए सेज आधारित पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करेंगे। परियोजना का लक्ष्य भारत के पूर्वी तट पर खनिज प्रसंस्करण और निर्यात क्षमता को बढ़ाना है, जिससे भारत वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में मजबूत स्थिति में आए। प्रस्तावित विकास के बाद गंगावरम बंदरगाह की क्षमता 7.5 करोड़ टन तक बढ़ जाएगी और यह लौह अयस्क का प्रमुख निर्यात केंद्र बनेगा।

एपीएसईजेड के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि यह साझेदारी एक भविष्य के लिए तैयार और टिकाऊ ढांचा तैयार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने बताया कि आधुनिक बंदरगाह क्षमता और उच्च गुणवत्ता वाले खनिज लॉजिस्टिक्स को एकीकृत कर उद्योग की जरूरतों का समर्थन किया जाएगा और देश की आर्थिक वृद्धि में योगदान होगा। इस पहल से भारत-विशेषकर पूर्वी तट- पर लौह अयस्क मूल्य श्रृंखला को मजबूत किया जाएगा। साथ ही यह साझेदारी भारत और ब्राजील के बीच वैश्विक खनिज व्यापार सहयोग को बढ़ावा देने में भी मदद करेगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

टी20 विश्व कप: इंग्लैंड ने श्रीलंका को हराकर सुपर-8 का अपना पहला मुकाबला जीता

पल्लेकेले (एजेंसी)। फिल सॉल्ट के अर्धशतक के बाद गेंदबाजों के अच्छें प्रदर्शन से इंग्लैंड ने टी20 विश्व कप 2026 के सुपर-8 के अपने पहले ही मुकाबले में शानदार दमदार प्रदर्शन करते हुए श्रीलंका को 51 रनों से हरा दिया। इस मैच में इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाज़ी करते हुए 20 ओवर में 9 विकेट पर 146 रन बनाये। इसक बाद मेजबान लंकाई टीम लक्ष्य का पीछा करते हुए 16.4 ओवर में 95 रनों पर ही आउट हो गयी।

मेजबान श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाज़ी का फैसला किया जो सही साबित नहीं हुआ। इंग्लैंड ने खराब शुरुआत के बाद फिल सॉल्ट की 40 गेंदों में 62 रनों की पारी से ठीक स्कोर बना लिया। सॉल्ट ने संयम और आक्रामकता के साथ खेलते हु पारी को संवारा। मध्य क्रम हालांकि टिक नहीं पाया।। श्रीलंकाई गेंदबाज़ों ने अच्छी गेंदबाजी कर इंग्लैंड के अन्य बल्लेबाजों को हावी होने का अवसर नहीं दिया। अंतिम ओवरों में टीम किसी प्रकार 150 के करीब पहुंच पायी।

जीत के लिए 147 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका की शुरुआत भी अच्छी नहींरही। पावरप्ले के अंत तक आधी टीम 34 रनोंर पर ही सिमट गयी। जैक्स ने लगातार चार ओवर गेंदबाज़ी करते हुए 22 रन देकर तीन विके लिए। वहीं जोफ्रा आर्चर ने नई गेंद से दो अहम विकेट लिए, जबकि लियाम डॉसन और आदिल रशीद ने भी दबाव बनाये रखा।। कप्तान दासुन शनाका ने 30 रन बनाये पर वह टिक नहीं पाये। आदिल रशीद ने अंतिम विकेट लेकर श्रीलंकाई पारी समेट दी।

अल्कराज़ ने कतर ओपन टेनिस खिताब जीता

दोहा (एजेंसी)। स्पेन के कार्लोस अल्काराज़ ने कतर ओपन टेनिस खिताब जीत लिया है। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी अल्कराज ने खिताबी मुकाबल में फ्रांस के अर्थुर फिल्स को सीधे सेटों में 6-2, 6-1 से हराया। दोनो में ये मुकाबला केवल 50 मिनट तक चला, जिसमें अल्काराज़ का दबदबा रहा।

इस खिताबी जीत के साथ ही अल्काराज़ ने इस साल 2026 में लगातार 12 मैच जीतने वाले खिलाड़ी बन गये हैं। इससे पहले उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई ओपन जीतकर करियर ग्रैंड स्लैम पूरा किया था। वह चारों ग्रैंड स्लैम जीतने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बने थे। अब उनके टूर खिताबों की तादाद बढ़कर 26 पहुंच गयी है। फाइनल में उन्होंने आक्रामक रुख अपनया जिसका फ्रांसीसी खिलाड़ी के पास जवाब नहीं था। खिताब जीतने के बाद उत्साहित अल्काराज़ ने कहा-साल की शुरुआत वाकई बहुत अच्छी रही है। मैं अपने खेल से बेहद खुश हूं और इसी लय को आगे भी बनाये रखना चाहता हूं। अल्काराज की इस फॉर्म को देखते हुए तय है कि वह इस सत्र में आगे भी खिताब जीतकर नये रिकार्ड बनाएंगे।

किसी भी टीम को हल्के से ना लें, इससे आप लक्ष्य से भटक सकते हो : डैरेन सैमी

मुंबई (एजेंसी)। वेस्टइंडीज के मुख्य कोच डैरेन सैमी ने टी20 विश्व कप के सुपर आठ के रविवार को होने वाले मैच से पहले अपने खिलाड़ियों को आगाह किया कि वह जिम्बाब्वे को किसी भी तरह से कम करके आंकने की गलती नहीं करें क्योंकि इससे वह लक्ष्य से भटक सकते हैं। सैमी ने इसके साथ ही कहा कि जिम्बाब्वे को ग्रुप बी में श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया जैसी वरीयता प्राप्त टीमों के साथ रखे जाने से अतिरिक्त प्रेरणा मिली होगी और उनका मानना है कि इसी वजह से जिम्बाब्वे ने अपनी क्षमता से बढ़कर प्रदर्शन किया और ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल किया।

जिम्बाब्वे ने ग्रुप चरण में पूर्व चैंपियन ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका को हराकर सबको चौंका दिया था। सैमी ने मैच की पूर्व संध्या पर पत्रकारों से कहा, 'ऐसा कम ही होता है कि केवल शीर्ष टीमें ही आगे बढें। मेरी टीम जानती है कि वह विश्व कप में खेल रही है। कल हमारा मुकाबला जिम्बाब्वे से है, फिर दक्षिण अफ्रीका से और उसके बाद भारत से।' उन्होंने कहा, 'हमारे सामने पिछले विश्व कप के दो फाइनलिस्ट हैं। अगर आपको जीतना है तो आपको अपने सामने मौजूद चुनौतियों का सामना करना होगा। इसे हल्के में न लें, किसी को भी कम न समझें। अगर आप अन्य चीजों पर ध्यान देते हैं तो आप लक्ष्य से भटक सकते हैं।'

सैमी ने जिम्बाब्वे के ग्रुप चरण में शानदार प्रदर्शन के बारे में कहा कि उसे वरीयता नहीं मिली थी जिससे वह अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित हुआ। उन्होंने कहा, 'जिम्बाब्वे ने वही किया जो उसे करना चाहिए था। अगर हमें वरीयता नहीं मिली होती या ऐसा कुछ होता और मैं देखता कि यह व्यक्ति (एक प्रतिद्वंद्वी) वहां खेलने जा रहा है तो इससे मुझे प्रेरणा मिलती।' सैमी ने कहा, 'मुझे पूरा यकीन है कि जिम्बाब्वे ने उस टीम को देखकर प्रेरणा और प्रोत्साहन हासिल किया होगा और उसी तरह से खेला होगा। लेकिन (टीमों को वरीयता देने के मामले में) मैं व्यवस्था के दृष्टिकोण से भी समझता हूं। प्रशंसकों को आश्वासन देने की कोशिश करना जरूरी है।'

भारत ए ने बांग्लादेश ए को हराकर दूसरी बार महिला एशिया कप राइजिंग स्टार्स खिताब जीता

बैंकॉक (एजेंसी)। तेजल हसनबिस के अर्धशतक से भारत ए टीम ने यहां खेले गये एशिया कप महिला राइजिंग स्टार्स के फाइनल में बांग्लादेश ए को 46 रनों से हराकर खिताब जीता है। भारत की ओर से तेजल ने 34 गेंदों पर नाबाद 51 रन बनाये। वहीं इसके बाद लेग स्पिनर प्रेमा रावत ने भी 12 रन देकर तीन विकेट लिए।

इस मैच में भारत ए ने एक समय 44 रन पर 4 विकेट खो दिये थे पर इसके बाद हसनबिस ने कप्तान राधा यादव के साथ पारी को संभाला। राधा ने 30 गेंदों पर 36 रन बनाये। इन दोनो के बीच पांचवें विकेट के लिए 89 रन की साझेदारी हुई। इससे भारत ए टीम 20 ओवर में 7 विकेट पर 134 रन तक पहुंची। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए बांग्लादेश ए टीम टिक नहीं पायी और 19.1 ओवर में 88 रन पर ही आउट हो गयी। बांग्लादेश ए टीम भारतीय गेंदबाजी के सामने टिक नहीं पायी। उसने लक्ष्य का पीछा करते हुए शुरुआत में ही 12 रन पर अपना पहला विकेट खो दिया। तेज गेंदबाज साइमा ठाकोर ने इश्मा तंजीम को पेवेलियन भेजा। वहीं इसके बाद प्रेमा ने शमीमा सुल्ताना को आउट कर दिया। इसके बाद एक के बाद एक विकेट गिरते चले गये।

पाकिस्तान को सेमीफानल में पहुंचने सुपर-8 के दोनो मैच जीतने होंगे

कोलंबो । आईसीसी टी20 विश्वकप क्रिकेट के सुपर-8 में पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच हुए पहले मुकाबले के बारिश के कारण रद्द होने के बाद ही दोनो ही टीमों को एक-एक अंक मिले हैं । ऐसे में अब दोनो ही टीमें सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए बचे हुए दोनो ही मैच जीतने पूरी ताकत लगा देंगी । पाकिस्तान के आगे जाने की संभावनाएं अब बचे हुए मैचों के परिणामों पर आधारित रहेंगी । पाकिस्तान को अब अंतम चार में पहुचने न केवल देनो ही मैच जीतना होगा बल्कि ये भी देखना होगा कि उनका रन रेट बेहतर रहे । 24 फरवरी को पाकिस्तान की टीम को इंग्लैंड से खेलना है और उसके लिए ये मुकाबला आसान नहीं रहेगा । इंग्लैंड एक ऐसी टीम है जो किसी भी दिन मैच का पासा पलट सकती है । इसके बाद पाक को संयुक्त रुप से मैच का आयोजर कर रही श्रीलंका से 28 फरवरी को अपना अंतिम सुपर 8 मुकाबला खेलना होगा । अगर पाकिस्तान इंग्लैंड से हार जाता है, तो यह मैच उसे हार हाल में बड़े अंतर से जीतना होगा । भी पाकिस्तान और न्यूजीलैंड की सेमीफाइनल में पहुंचने की संभावना बढ़कर 56.25 फीसदी हो गयी है । वहीं इंग्लैंड और श्रीलंका, जिन्हें अभी बड़े मैच खेलने हैं, उनकी जीत की संभावना घटकर 43.75 फीसदी पाक के पास अब अधिकतम 5 अंक तक पहुंचने का मौका है ।

धवन ने सोफी शाइन से की दूसरी शादी

मुम्बई । पूर्व क्रिकेटर शिखर धवन दूसरी बार दूल्हा बने हैं । धवन ने आयरलैंड की सोफी शाइन के साथ दूसरी शादी रचाई । उनकी शादी में रिश्तेदार और करीबी दोस्त शामिल हुए । धवन ने अपनी शादी की तस्वीरें भी सोशल मीडिया में भी साझा की हैं । इसके साथ ही उन्हें बधाइयां मिलने लगीं । अभिनेता रणवीर सिंह ने भी धवन के अलावा अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडिस ने इस जोड़े को बधाई दी है । रणवीर ने धवन को बधाई देते हुए लिखा, बधाई और भगवान का आशीर्वाद बना रहे भाई, । वहीं कॉमेडियन सुनील ग्रोवर ने लिखा, बधाई हो पाजी और भाभी जी, अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडिस ने दिल वाली इमोजी बनाई। वहीं क्रिकेटर युजवेंद्र चहल ने भी दोनो को बधाई दी है । धवन जहां शेरवानी में वहीं सोफी खूबसूरत लहंगे में नजर आई । शादी की तस्वीरों में दोनो ही बेहद खुश दिखे । धवन और सोफी की सगाई जनवरी में हुई थी । इसके बाद से ही शादी की तैयारी चल रही थी । इनकी सगाई की तस्वीरों को भी प्रशंसकों ने काफी पसंद किया था । ये दोनो ही पिछले काफी सयम से रिलेशनशिप में थे । धवन की पहली शादी ऑस्ट्रेलिया की आयेशा मुखर्जी से हुई थी जिनसे उन्हें एक बेटा जोरावर है । धवन और आयशा के बीच आठ साल के बाद तलाक हो गया था । उसके बाद से ही शिखर अकेले पड़ गये थे ।

अपनी तकनीक में बदलाव नहीं करुंगा : अभिषेक

अहमदाबाद। भारतीय क्रिकेट टीम के युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा टी20 विश्वकप में असफल रहे हैं । वह अपने तीनों ही मैचों में खाता नहीं खोल पाये हैं । इसके बाद भी अभिषेक का कहना है कि वह आगे भी अपना खेलने का अंदाज नहीं बदलेंगे भले ही शून्य पर आउट हो जायें । भारतीय टीम अब लीग में जीतकर सुपर-8 में पहुंच गयी है। ऐसे में अभिषेक पर अब रन बनाने का दबाव है। अभिषेक वह पहली ही गेंद से आक्रामक खेलने का प्रयास करते हैं और इसी में कभी-कभी विकेट गंभव देते हैं । ग्रुप स्तर पर वह तीन पारियों में सिर्फ आठ गेंद ही खेल पाए । आंकड़े भी उनके खराब फॉर्म को दिखाते हैं । वह अपनी पिछली सात पारियों में पांच बार शून्य पर आउट हुए हैं. कुल मिलाकर, 40 टी20 अंतरराष्ट्रीय पारियों में से छह में वह बिना रन बनाए पवेलियन लौटे हैं । वहीं इससे उबरने अभिषेक लगातार ट्रेनिंग में मेहनत कर रहे हैं, जिससे अपना फार्म वापस पा सकें ।उन्होंने अपने पर दबाव से इंकार करते हुए कहा ५मैं बस अपनी बल्लेबाजी का मजा लेता हूं, मैंने दो साल पहले दबाव लेना बंद कर दिया क्योंकि मुझे समझ आ गया कि प्रक्रिया मेरे हाथ में है । अभ्यास और ट्रेनिंग मैं नियंत्रित कर सकता हूं, और उसी पर ध्यान देता हूं । मुझे यह पसंद है, इसलिए कोई दबाव नहीं है ।५अभिषेक जानने है कि हर खिलाड़ी के करियर में ऐसा समय आता है । इसलिए मौजूदा खराब दौर के बाद भी वह अपनी तकनीक में बदलाव नहीं करेंगे क्योंकि इसी ने टी20 में उन्हें नंबर-1 बनाया है । इस बल्लेबाजन ने कहा ' करियर में हमेशा उतार-चढ़ाव आते हैं । कभी रन बनते हैं, कभी नहीं. लेकिन मैंने तय किया है कि मैं अपने तरीके से ही खेलूंगा ।'

रिटायरमेंट की अफवाहों पर फुल स्टॉप, आईपीएल 2026 में फिर दिखेगा 'कैप्टन कूल' का जलवा

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स के प्रशंसकों के लिए बड़ी खबर सामने आई है। चेन्नई सुपर किंग्स के CEO कासी विश्वनाथन ने पुष्टि कर दी है कि दिग्गज विकेटकीपर-बल्लेबाज़ एमएस धोनी आईपीएल 2026 में खेलते नजर आएंगे।

लगातार उठ रही रिटायरमेंट की अटकलों के बीच यह आधिकारिक बयान सामने आया है, जिससे साफ हो गया है कि धोनी एक और सीजन 'येलो जर्सी' में दिखाई देंगे। कासी विश्वनाथन ने स्पष्ट कहा, 'एमएस धोनी आईपीएल 2026 सीजन के लिए उपलब्ध हैं।'

सीएसके के साथ धोनी की विरासत

धोनी का चेन्नई सुपर किंग्स के साथ सफर ऐतिहासिक रहा है। उनकी कप्तानी में टीम ने 2010, 2011, 2018, 2021 और 2023 में आईपीएल खिताब जीते। 44 वर्ष की उम्र में भी उनका खेल और फिटनेस फैंस को चौंकाते रहे हैं।

2008 से अब तक धोनी सीएसके के स्तंभ रहे हैं। उन्होंने 272 मैचों में 5314 रन बनाए हैं, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 2019 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ नाबाद 84 रन रहा।

कप्तानी का लंबा सफर

धोनी ने 244 मैचों में टीम की कप्तानी की, जिसमें 145 जीत दर्ज कीं। उनका जीत प्रतिशत 59.42 रहा है।

2022 में कप्तानी रवींद्र जडेजा को सौंपी गई थी, लेकिन टीम के खराब प्रदर्शन के बाद धोनी को बीच सीजन में दोबारा जिम्मेदारी संभालनी पड़ी। 2024 में ऋतुराज गायकवाड़ को कप्तान बनाया गया। 2025 में गायकवाड़ के चोटिल होने पर धोनी ने फिर टीम की कमान संभाली, हालांकि वह सीजन टीम के लिए कठिन रहा।

2026 के लिए रिटेंशन और बड़े बदलाव

आईपीएल 2026 के लिए धोनी को 4 करोड़ रुपये में अनकैप्ड प्लेयर नियम के तहत रिटेन किया गया है। उनके साथ रिटेन खिलाड़ियों में ऋतुराज गायकवाड़, शिवम दुबे, आयुष म्हात्रे, डेवॉल्ड ब्रेविस और नूर अहमद शामिल हैं।

बड़े बदलाव के तहत रवींद्र जडेजा और सैम करन को राजस्थान रॉयल्स में ट्रेड किया गया है। वहीं चेन्नई ने राजस्थान रॉयल्स से संजू सैमसन को अपने साथ जोड़ा है, जिससे टीम की बल्लेबाजी को नई मजबूती मिलने की उम्मीद है।

आईपीएल 2026 के लिए सीएसके की पूरी टीम

कार्तिक शर्मा, प्रशांत वीर, अकील हुसैन, एमएस धोनी, ऋतुराज गायकवाड़, संजू सैमसन, आयुष म्हात्रे, डेवॉल्ड ब्रेविस, शिवम दुबे, उर्विल पटेल, नूर अहमद, नाथन एलिस, श्रेयस गोपाल, खलील अहमद, रामकृष्ण घोष, मुकेश चौधरी, जेमी ओवरटन, गुरजपनीत सिंह और अंशुल कंबोज।

मेस्सी की मौजूदगी में MLS चैंपियन इंटर मियामी को मिली पहले मैच में हार

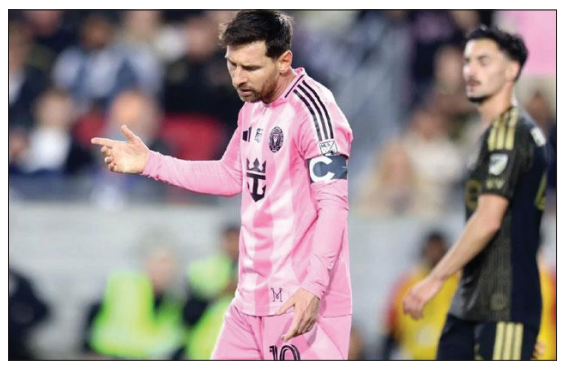

लॉस एंजिलिस । स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेस्सी की मौजूदगी के बावजूद इंटर मियामी ने MLS कप में अपने खिताब के बचाव का अभियान हार के साथ किया । इंटर मियामी को अपने पहले मैच में लॉस एंजिलिस एफसी (LAFC) से 3-0 से हार का सामना करना पड़ा । विजेता टीम की तरफ से डेविड मार्टिनेज, डेनिस बुआंगा और नाथन ऑर्डाज़ ने गोल किए । बुआंगा ने मैच के बाद कहा, 'वह मैच हमेशा खास होता है जिसमें मेस्सी खेलते हैं । हम मेस्सी की मौजूदगी में मियामी को हराना चाहते थे । इस मैच के लिए प्रत्येक खिलाड़ी का मनोबल बढ़ा होता है ।' इस मैच को देखने के लिए ऐतिहासिक लॉस एंजिल्स मेमोरियल कोलिज़ियम स्टेडियम में 75,673 दर्शक उपस्थित थे । दर्शकों ने घरेलू टीम की शानदार जीत का जश्न मनाया और मेस्सी को खेलते हुए देखने का भरपूर आनंद लिया । मेस्सी ने इस महीने हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के बावजूद पूरा मैच खेला ।

फ्लॉयड मेवेदर जूनियर ने पेशेवर रिंग में वापसी के संकेत दिए

नई दिल्ली । मुक्केबाजी के दिग्गज फ्लॉयड मेवेदर जूनियर ने एक बार फिर पेशेवर मुक्केबाजी में वापसी के संकेत दिए हैं । मेवेदर ने कहा कि वह आधिकारिक पेशेवर मुकाबला लड़ने पर विचार कर रहे हैं, जिससे मुक्केबाजी की दुनिया में हलचल मच गई है । 2017 में कॉनर मैकग्रेगर को हराकर 50-0 का रिकॉर्ड बनाने वाले मेवेदर ने उस मुकाबले के दसवें राउंड में टीकेओ से जीत दर्ज की थी और तुरंत बाद संन्यास की घोषणा की थी । हालांकि, संन्यास के बाद भी मेवेदर पूरी तरह रिंग से दूर नहीं रहे । उन्होंने पेशेवर मुक्केबाजों, एमएमए फाइटर्स और सेलिब्रिटीज़ के खिलाफ कई प्रदर्शनी मुकाबले लड़े। अगस्त 2024 में मेक्सिको में उनका मुकाबला जॉन गोटी तृतीय से हुआ था । अब 2026 में मेवेदर 59 साल के माइक टायसन के साथ मुकाबले की तैयारी कर रहे हैं । यह मुकाबला अप्रैल 2026 में कांगो में प्रस्तावित है और इसे बॉक्सिंग इतिहास के सबसे चर्चित आयोजनों में से एक माना जा रहा है । दोनों फाइटर्स की संयुक्त उम्र 100 वर्ष से अधिक है, लेकिन फैंस के बीच इस इवेंट को लेकर जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है । मेवेदर ने कहा कि उनके इवेंट्स से प्राप्त गेट रेवेन्यू, वैश्विक दर्शक संख्या और कमाई शायद ही कोई और फाइटर हासिल कर सके । टायसन के साथ प्रस्तावित मुकाबला उनकी संभावित वापसी की दिशा में पहला कदम हो सकता है । यदि यह आधिकारिक मुकाबला बनता है, तो यह लगभग नौ साल बाद मेवेदर की पहली पेशेवर फाइट होगी । पांच अलग-अलग वेट डिवीजन में विश्व चैंपियन रह चुके मेवेदर का करियर ऐतिहासिक रहा है । टायसन के खिलाफ होने वाला मुकाबला तय करेगा कि 48 साल के मेवेदर का पेशेवर मुक्केबाज के रूप में भविष्य कैसा होगा । हालांकि, उनके फैंस रिंग में उनकी वापसी देखने के लिए उत्साहित हैं और उन्हें उम्मीद है कि यह मुकाबला मेवेदर के करियर को एक नया अध्याय दे सकता है ।

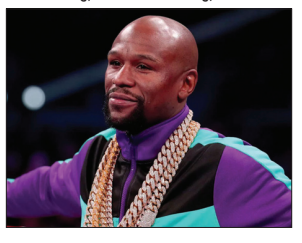

पांड्या ने बेटे अगस्त्या को उपहार में दी करोड़ों की एसयूवी

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या अपनी महंगी जीवनशैली के लिए जाने जाते हैं । वह हमेशा महंगी घड़ियां पहने दिखते हैं । इसी कड़ी में अब हार्दिक ने अपने पांच साल के बेटे अगस्त्या को करोड़ों की एसयूवी कार उपहार में दी है । पांड्या का सर्बियाई अभिनेत्री नताशा स्टैनकोविक से तलाक हो गया है पर बेटे का ध्यान दोनो ही मिलकर रहते हैं । अगस्त्या की कस्टडी हालांकि नताशा को मिली है पर हार्दिक उनसे मिलते रहते हैं । इतने छोटे से बेटे को करोड़ों की एसयूवी कार उपहार में दिये जाने से लोग हैरान दी क्योंकि उनके बेटे की उम्र अभी खिलौनों से खेलने की है । सोशल मीडिया पर हार्दिक के अपने बेटे अगस्त्या और पूर्व पत्नी नताशा स्टैनकोविक को दिए गए उपहार की तस्वीर वायरल हो रही है । इसमें हार्दिक का बेटा और नताशा लैंड रोवर डिफेंडर कार लेते दिख रहे हैं । तस्वीर में वेलकम नोट पर साफ-साफ लिखा हुआ है पापा टू अगस्त्या ।

आज कनाडा, अमेरिका सहित कई देशों से खेल रहे भारतीय मूल के खिलाड़ी : प्रधानमंत्री मोदी

सैंटोस (ब्राज़ील) (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात में विदेशी टीमों से खेलते हुए नाम देश का नाम रौशन कर रहे भारतीय मूल के खिलाड़ियों की प्रशंसा की है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज टी20 विश्वकप क्रिकेट को ही देख लें। इसमें खेल रहे दुनिया भर के कई देशों में भारतीय मूल के खिलाड़ी नजर आ रहे हैं जो वहां की टीमों से खेलते हुए दोनो देशों का नाम रौशन कर रहे हैं। उन्होंने इस दौरान कनाडा से खेल रहे दिलप्रीत बाजवा, अमेरिका से खेल रहे मोनांक पटेल सहित कई खिलाड़ियों का नाम लिया। प्रधानमंत्री ने कहा, जो खेले वो खिले, खेल हमें जोड़ता भी है। आजकल आप टी-20 विश्व कप के मैच देख रहे होंगे। इस दौरान किसी भारतीय को दूसरे देश की जर्सी पहने भी आपने देखा होगा। उसका नाम सुनकर आपकों लगता है कि ये तो अपने देश का है, तब दिल में खुशी भी होती है कि भारत से बाहर जाकर भी वह वह उस देश की ओर से खेलता है, जहां उसका परिवार बस गया है। वे अपने-अपने देशों की जर्सी पहनकर मैदान में उतरते हैं और पूरे मन से उस देश का प्रतिनिधित्व करते हैं। साथ ही कहा, कनाडा की टीम क ही देख लें, इसमें सबसे ज्यादा भारतीय मूल के खिलाड़ी हैं। टीम के कप्तान दिलप्रीत बाजवा का जन्म पंजाब के गुरदासपुर में हुआ था। नवनीत धालीवाल चंडीगढ़ के हैं। इस सूची में हर्ष ठाकर और श्रेयस मोआ जैसे कई खिलाड़ी शामिल हैं, जो कनाडा के साथ-साथ भारत का भी गौरव बढ़ा रहे हैं। अमेरिका टीम में शामिल कई खिलाड़ी भारत के घरेलू क्रिकेट से निकले हुए हैं। अमेरिकी टीम के कप्तान मोनांक पटेल ने गुजरात की ओर से खेला हैं। मुंबई के सौरभ, हरमीत सिंह, और दिल्ली के मिलिंद कुमार अमेरिकी टीम से खेल रहे हैं।

इसके अलावा ओमान की टीम में भी कई भारतीय हैं जो पहले भारत के अलग-अलग राज्यों से खेले हैं। जतिंद्र सिंह, विनायक शुक्ला, करन, जय और आशीष जैसे खिलाड़ी ओमान क्रिकेट टीम से खेलते हैं। इसके अलावा न्यूजीलैंड, यूएई और इटली की टीमों में भी भारतीय मूल के कई खिलाड़ी हैं। ये भारतीय देश से बाहर जाने के बाद भी देश का गौरव बढ़ा रहे हैं और वहां के युवाओं के लिए प्रेरणा बन रहे हैं। भारतीयता की यही तो विशेषता है, वह जहां भी जायें, अपनी जड़ों से जुड़े रहते हैं। इसी के साथ ही वह जिस देश में रहते हैं, वहां के विकास के लिए सहयोग में भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कैसे दक्षिणमुखी मकान में नहीं होता दक्षिण दोष

वास्तु शास्त्र में दक्षिण दिशा के मकान को कुछ परिस्थिति को छोड़कर अशुभ और नकारात्मक प्रभाव वाला माना जाता है। दरअसल, हर दिशा में कोई न कोई ग्रह स्थित है जो कि अपना अच्छा या बुरा प्रभाव डालता है। यह निर्भर करता है मकान के वास्तु, मुहल्ले के वास्तु और उसके आसपास स्थित वातावरण और वृक्षों की स्थिति पर।

प्रत्येक ग्रह का अपना एक वृक्ष होता है। जैसे चंद्र की शनि से नहीं बनती और यदि आपने घर के सामने चंद्र एवं शनि से संबंधित वृक्ष या पौधे लगा दिए हैं तो यह कुंडली में चंद्र और शनि की युति के समान होते हैं जो कि विषयोग कहा गया है। आओ जानते हैं कि कैसे दक्षिणमुखी मकान में नहीं होता दक्षिण दोष?

- यदि दक्षिणमुखी मकान के सामने द्वार से दोगुनी दूरी पर स्थित नीम का हराभरा वृक्ष है तो दक्षिण दिशा का असर कुछ हद तक समाप्त हो जाएगा।
- यदि दक्षिणमुखी मकान के सामने मकान से दोगना बड़ा कोई दूसरा मकान है तो दक्षिण दिशा का असर कुछ हद तक समाप्त हो जाएगा।
- दक्षिणमुखी मकान का दोष खत्म करने के लिए द्वारा के उपर पंचमुखी हनुमानजी का चित्र भी लगाना चाहिए।
- दक्षिण मुखी प्लाट में मुख्य द्वार आग्नेय कोण में बना है और उत्तर तथा पूर्व की तरफ ज्यादा व पश्चिम व दक्षिण में कम से कम खुला स्थान छोड़ा गया है तो भी दक्षिण का दोष कम हो जाता है।। बगीचे में छोटे पौधे पूर्व-ईशान में लगाने से भी दोष कम होता है।
- आग्नेय कोण का मुख्यद्वार यदि लाल या मरून रंग का हो, तो श्रेष्ठ फल देता है। इसके अलावा हरा या भूरा रंग भी चुना जा सकता है। किसी भी परिस्थिति में मुख्यद्वार को नीला या काला रंग प्रदान न करें।
- दक्षिण मुखी भूखण्ड का द्वार दक्षिण या दक्षिण-पूरब में कतई नहीं बनाना चाहिए। पश्चिम या अन्य किसी दिशा में मुख्य द्वार लाभकारी होता हैं।
- यदि आपका दरवाजा दक्षिण की तरफ है तो द्वार के ठीक सामने एक आदमकद दर्पण इस प्रकार लगाएं जिससे घर में प्रवेश करने वाले व्यक्ति का पूरा प्रतिबिंब दर्पण में बने। इससे घर में प्रवेश करने वाले व्यक्ति के साथ घर में प्रवेश करने वाली नकारात्मक उर्जा पलटकर वापस चली जाती है।

कैसा होना चाहिए घर का मुख्य द्वार

घर के दरवाजे बहुत ही महत्वपूर्ण होते हैं। कई बार हम मकान खरीदते वक्त या बनवाते वक्त यह ध्यान नहीं देते हैं कि किस प्रकार के दरवाजे लगाए जा रहे हैं। घर का मुख्य द्वार वास्तु अनुसार होता है तो कई समस्याएं स्वतः ही समाप्त हो जाती है। बेहतर होगा कि दरवाजा शीशम या सागौन की लकड़ी और धातु का बना हो। दरजावा किसी भी प्रकार सा टूटा फूटा या तिरछा नहीं होना चाहिए। द्वार के खुलने बंद होने में आने वाली चरमराती ध्वनि स्वरवेध कहलाती हैं जिसके कारण आकस्मिक अप्रिय घटनाओं को प्रोत्साहन मिलता है। आओ जानते हैं कि घर का मुख्य द्वार कैसा होना चाहिए।

- एक सीध में तीन दरवाजे नहीं होना चाहिए।
- दरवाजे के भीतर दरवाजा नहीं बनाना चाहिए।
- एक पल्ले वाला दरवाजा नहीं होना चाहिए। दो पल्ले वाला हो।
- ऐसा दरवाजा नहीं होना चाहिए जो अपने आप खुलता या बंद हो जाता हो।
- घर का मुख्य द्वार बाहर की ओर खुलने वाला नहीं होना चाहिए।
- कुछ दरवाजे ऐसे होते हैं जिनमें खिड़कियां होती हैं ऐसे दरवाजों में वास्तुदोष हो सकता है।
- मुख्य द्वार त्रिकोणाकार, गोलाकार, वर्गाकार या बहुभुज की आकृति वाला नहीं होना चाहिए।
- मुख्य दरवाजा छोटा और उसके पीछे का दरवाजा बड़ा नहीं होना चाहिए। मुख्य दरवाजा बड़ा होना चाहिए।
- घर के ऊपरी माले के दरवाजे निचले माले के दरवाजों से कुछ छोटे होने चाहिए।
- घर में दो मुख्य द्वार हैं तो वास्तुदोष हो सकता है। विपरीत दिशा में दो मुख्य द्वार नहीं बनाना चाहिए।

क्या कोई युग लाखों वर्ष का होता है

युग क्या होता है इस संबंध में 5 तरह की मान्यताएं प्रचलित हैं। दूसरी बात यह कि भारत के धार्मिक इतिहास को युगों की प्रचलित धारण में लिखना या मानना कितना उचित है? जैसे कि श्रीराम जी त्रैता में और श्रीकृष्ण जी द्वापर में हुए थे। इस तरह तो इतिहास कभी नहीं लिखा जा सकता है। इतिहास को तो तारीखों में ही लिखना होता है और वह भी तथ्य और प्रमाणों के साथ। आओ जानते हैं कि युग की 5 मान्यताएं।

उल्लेखनीय है कि आपने सुना ही होगा मध्ययुग, आधुनिक युग, वर्तमान युग जैसे अन्य शब्दों को। इसका मतलब यह कि युग शब्द को कई अर्थों में प्रयुक्त किया जाता रहा है। मतलब यह कि युग का मान एक जैसी घटनाओं के काल से भी निर्धारित हो सकता है। तो क्या यह सही है या कि युग की धारणा कुछ और ही है?

पहली मान्यता

युग के बारे में कहा जाता है कि 1 युग लाखों वर्ष का होता है, जैसा कि सतयुग लगभग 17 लाख 28 हजार वर्ष, त्रेतायुग 12 लाख 96 हजार वर्ष, द्वापर युग 8 लाख 64 हजार वर्ष और कलियुग 4 लाख 32 हजार वर्ष का बताया गया है।

दूसरी मान्यता

एक पौराणिक मान्यता के अनुसार प्रत्येक युग का समय 1250 वर्ष का माना गया है। इस मान से चारों युग की एक चक्र 5 हजार वर्षों में पूर्ण हो जाता है।

तीसरी मान्यता

भारतीय ज्योतिषियों ने समय की धारणा को सिद्ध धरती के सूर्य की परिक्रमा के आधार पर नहीं प्रतिपादित किया है। उन्होंने संपूर्ण तारामंडल में धरती के परिभ्रमण के पूर्ण कर लेने तक की गणना करके वर्ष के आगे के समय को भी प्रतिपादित किया है। वर्ष को 'संवत्सर' कहा गया है। 5 वर्ष का 1 युग होता है। संवत्सर, परिवत्सर, इद्वत्सर, अनुवत्सर और युगवत्सर ये युगात्मक 5 वर्ष कहे जाते हैं। बृहस्पति की गति के अनुसार प्रभव आदि 60 वर्षों में 12 युग होते हैं तथा प्रत्येक युग में 5-5 वत्सर होते हैं। 12 युगों के नाम हैं- प्रजापति, धाता, वृष, व्यय, खर, दुर्मुख, प्लव, पराभव, रोधकृत, अनल, दुर्मति और क्षय। प्रत्येक युग के जो 5 वत्सर हैं, उनमें से प्रथम का नाम संवत्सर है। दूसरा परिवत्सर, तीसरा इद्वत्सर, चौथा अनुवत्सर और 5वां युगवत्सर है।

चौथी मान्यता

ऋग्वेद के अन्य 2 मंत्रों से 'युग' शब्द का अर्थ काल और अहोरात्र भी सिद्ध होता है। 5वें मंडल के 76वें सूक्त के तीसरे मंत्र में 'नहुषा युगा मन्हारजांसि दीयथः' पद में युग शब्द का अर्थ 'युगोपलक्षितान कालान प्रसरादिसवनान अहोरात्रादिकालान वा' किया गया है। इससे स्पष्ट है कि उदय काल में युग शब्द का अन्य अर्थ अहोरात्र विशिष्ट काल भी लिया जाता था। ऋग्वेद के छठे मंडल के नौवें सूक्त के चौथे मंत्र में 'युगे-युगे विदध्यं' पद में युगे-युगे शब्द का अर्थ 'काले-काले' किया गया है। वाजसनेयी संहिता के 12वें अध्याय की 11वीं कंडिका में 'दैव्यं मानुषा युगा' ऐसा पद आया है। इससे सिद्ध होता है कि उस काल में देव युग और मनुष्य युग ये 2 युग प्रचलित थे। तैतिरीय संहिता के 'या जाता ओ वधयो देवेभ्यस्त्रियुगं पुरा' मंत्र से देव युग की सिद्धि होती है।

पांचवीं मान्यता

धरती अपनी धूरी पर 23 घंटे 56 मिनट और 4 सेकंड अर्थात 60 घटी में 1,610 प्रति किलोमीटर की रफ्तार से घूमकर अपना चक्कर पूर्ण करती है। यही धरती अपने अक्ष पर रहकर सौर मास के अनुसार 365 दिन 5 घंटे 48 मिनट और 46 सेकंड में सूर्य की परिक्रमा पूर्ण कर लेती है, जबकि चन्द्रमास के अनुसार 354 दिनों में सूर्य का 1 चक्कर लगा लेती है। अब सौरमंडल में तो राशियां और नक्षत्र भी होते हैं। जिस तरह धरती सूर्य का चक्कर लगाती है उसी तरह वह राशि मंडल का चक्कर भी लगाती है। धरती को राशि मंडल की पूरी परिक्रमा करने या चक्कर लगाने में कुल 25,920 साल का समय लगता है। इस तरह धरती का एक भोगकाल या युग पूर्ण होता है। वैज्ञानिक कहते हैं कि लगभग 26,000 वर्ष बाद हमेशा ही उत्तर में दिखाई देने वाला ध्रुव तारा अपनी दिशा बदलकर पुनः उत्तर में दिखाई देने लगता है।

धर्म शास्त्रों में भगवान सूर्य की पूजा-अर्चना का विशेष महत्व है। सूर्य उपासना से न केवल सुख-समृद्धि आती है, बल्कि यश भी बढ़ता है।

सूर्योपासना के समय जपें ये खास मंत्र

महिलाओं को रविवार और सोमवार को सूर्योपासना से घर में समृद्धि व गर्भवती महिलाओं को गुणी पुत्र की प्राप्ति होती है। बह्मवैवर्त पुराण के अनुसार इन दिनों में खेजड़ी के पेड़ के नीचे प्रातः काल सूर्योपासना करते हुए इस मंत्र का 51 बार जाप करने से लाभ मिलता है-

नमः उग्राय वीराय सारंगाय नमो नमः।
नमः पद्मप्रबोधाय प्रचंडाय नमोस्तु ते।।
ओम आदित्याय नमः।

आत्मबल, बुद्धि, इन्द्रियों में सौम्यता, शिष्टता, काम, क्रोधादि शमन व मानसिक पीड़ा से मुक्ति के लिए इन महीनों में आने वाले हर रविवार को खेजड़ी के नीचे सूर्य के सामने बैठ इस मंत्र का 51 बार वाचन करें। पेड़ के नीचे की मिट्टी को लाकर घर में फेंकना शुभ होता है।

ओम नमः पूर्वाय गिरये पश्चिमायाद्रये नमः।
ज्योतिर्गणानां पतये दिनाधिपतये नमः।।
ओम सूर्याय नमः।

जिन महिलाओं को संतान सुख न हो, ऐसी महिलाओं को आंवले के पेड़ के नीचे अथर्ववेद के इस मंत्र का 101 बार जाप व सूर्य देव को जल सिंचन करने से संतान प्राप्ति सुख संभव है-

परिहस्त विधारय योनिं गर्भाय धातवे।
ओम भास्कराय नमः।

नीलें रंग के अपराजिता (विष्णुकान्ता) नामक पौधे के नीचे इस मंत्र का जाप करने से घर के मुकदमेबाजी व न्यायालय में विजय, घर में समृद्धि व स्नायु तंत्र (नर्वस सिस्टम), चर्म रोग व श्वसन संबंधी रोगों से मुक्ति मिलती है। इस पौधे के न होने की दशा में पीपल के पेड़ के नीचे बैठकर सूर्य को जल सिंचन कर इस मंत्र का 101 बार जाप करें -

ओम विश्वानिदेव सवितुः दुरितानि परांसुवः
यद् भद्रं तन्नासुवः। सूर्य कृणोतु भेशजं
चन्द्रमा वोपोच्छतु।।
ओम सूर्याय नमः।

दीर्घायु व हृदय संबंधी बीमारियों के लिए आश्विन व कार्तिक मास के प्रति रविवार बड़, ढाक, अशोक या सूर्यमुखी पौधे के नीचे आदित्य हृदय स्तोत्रम का पाठ करें या अथर्ववेद के इस मंत्र का 51 बार जाप करें -

उत सूर्योदिव एति पुरो रक्षांसि निजूर्वन।
ओम भानवे नमः।

कुशाग्र बुद्धि, इंटरव्यू में सफलता व शिक्षा से जुड़े पक्षों तथा वायु संबंधी रोगों के निवारण के लिए अथर्ववेद के इस मंत्र का पीपल के पेड़ के नीचे प्रातः काल हर रविवार इस मंत्र के जाप से मनोकामनाएं पूरी होती हैं।

यं जीवमष्नवामहै न स रिष्याति पुरुषः।
त्वं सूर्यस्य रश्मिभिस्त्वं नोअसियज्ञिया।।
ओम सूर्याय नमः।

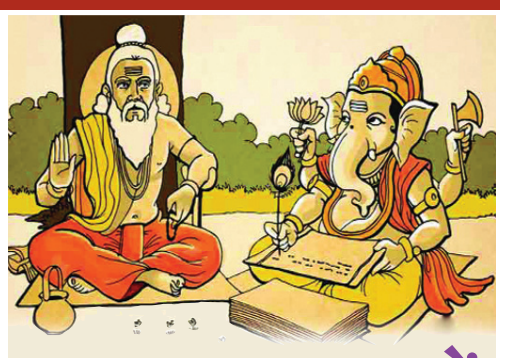

मोदक प्रिय श्री गणेशजी विद्या-बुद्धि और समस्त सिद्धियों के दाता हैं तथा थोड़ी उपासना से ही प्रसन्न हो जाते हैं। उन्हें हिन्दू धर्म में प्रथम पूज्य देवता माना गया है। किसी भी कार्य को प्रारंभ करने के पूर्व उन्हीं का स्मरण और पूजन किया जाता है। गणेशजी ने तीनों युग में जन्म लिया है और वे आगे कलयुग में भी जन्म लेंगे।

महाभारत काल में हुआ था गणेशजी का गजानन अवतार

धर्मशास्त्रों के अनुसार गणपति ने 64 अवतार लिए, लेकिन 12 अवतार प्रख्यात माने जाते हैं जिसकी पूजा की जाती है। अष्ट विनायक की भी प्रसिद्धि है। आओ जानते हैं उनके द्वापर के अवतार गजानन के बारे में संक्षिप्त जानकारी।

- द्वापर युग में उनका वर्ण लाल है। वे चार भुजाओं वाले और मूषक वाहन वाले हैं तथा गजानन नाम से प्रसिद्ध हैं।
- द्वापर युग में गणपति ने पुनः पार्वती के गर्भ से जन्म लिया व गणेश कहलाए।
- परंतु गणेश के जन्म के बाद किसी कारणवश पार्वती ने उन्हें जंगल में छोड़ दिया, जहां पर पराशर मुनि ने उनका पालन-पोषण किया। ऐसा भी कहा जाता है कि वे महिष्मति वरेण्य वरेण्य के पुत्र थे। कुरुप होने के कारण उन्हें जंगल में छोड़ दिया गया था।
- इन्हीं गणेशजी ने ही ऋषि वेदव्यास के कहने पर महाभारत लिखी थी।
- इस अवतार में गणेश ने सिंदुरासुर का वध कर उसके द्वारा कैद किए अनेक राजाओं व वीरों को मुक्त कराया था।
- इसी अवतार में गणेश ने वरेण्य नामक अपने भक्त को गणेश गीता के रूप में शाश्वत तत्व ज्ञान का उपदेश दिया।

सुनसान जगह पर नहीं रहना चाहिए घर

हिन्दू पुराणों और वास्तु शास्त्र में कुछ जगहों पर एक सभ्य व्यक्ति को नहीं रहना चाहिए। यदि वह वहां रहता है तो निश्चित ही उसके जीवन और भविष्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ते हैं। घर यह सुकून का नहीं है तो कैसे जीवन में सुकून आएगा। जैसे चौराहे, तिराहे, अवैध गतिविधियों वाली जगह, शोर मचाने वाली दुकान या फैक्ट्री आदि। इन्हीं में से एक है सुनसान इलाका। दरअसल, आप जहां रहते हैं उस स्थान से ही आपका भविष्य तय होता है। यदि आप गलत जगह रह रहे हैं तो अच्छे भविष्य की आशा मत कीजिये। आओ जानते हैं कि क्यों नहीं रहना चाहिए सुनसान जगह पर।

- दो तरह के सुनसान होते हैं एक मरघट की शांति वाले और दूसरे एकांत की शांति वाले। कई लोग एकांत में रहना पसंद करते हैं। इसके चलते वे सुनसान में रहने चले जाते हैं। सुनसान जगह पर रहने के कई खतरें हैं और साथ ही शास्त्रों में ऐसी जगहों पर रहने की मनाही है।
- भविष्य पुराण अनुसार आपका घर नगर या शहर के बाहर नहीं होना चाहिए। गांव या शहर में रहना ही तुलनात्मक रूप से अधिक सुरक्षित होता है।
- यदि घर बहुत सुनसान स्थान पर या शरह-गांव के बाहर होगा तो जब भी आप घर से बाहर कहीं जाएंगे उस दौरान आपके मन और मस्तिष्क में घर-परिवार की चिंता बनी रहेगी।
- यह तो आप भी जाते होंगे कि सभी सुनसान स्थान पर अपराधी आसानी से अनिष्ट संबंधी गतिविधियों को अंजाम दे सकते हैं।
- दूसरी बात यदि शहर से दूर घर है तो रात-बिरात आने जाने में भी आपको परेशानियों का सामना करना पड़ेगा, भले ही आपके पास कार या बाइक हो।
- सुनसान जगहों को राहु और केतु की बुराई का स्थान माना जाता है। यहां पर घटना और दुर्घटना के योग बने रहते हैं।
- सुनसान जगहों पर नकारात्मक ऊर्जा और नकारात्मक विचार बहुत तेजी से पनपते हैं।
- जहां अस्पताल, विद्यालय, नदी, तालाब, स्वजन या मनुष्य की आबादी नहीं है वहां पर नहीं रहना चाहिए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

क्या पूर्व प्रिंस एंड्रयू की गिरफ्तारी से डगमगाएगी राजशाही? 350 साल पहले हुई थी कुछ ऐसी घटना

न्यू साउथ वेल्स, एजेंसी। ब्रिटेन के शाही परिवार के सदस्य एंड्रयू माउंटबैटन-विंडसर (प्रिंस एंड्रयू) की गिरफ्तारी की खबर ने दुनिया भर में हलचल मचा दी है। यह मामला इसलिए बड़ा माना जा रहा है क्योंकि ब्रिटिश इतिहास में बहुत कम बार ऐसा हुआ है कि किसी शाही सदस्य पर सीधे कानून का शिकंजा कसता दिखा हो। इतिहासकार बताते हैं कि लगभग 350 साल पहले, 1649 में राजा चार्ल्स-आइ को गिरफ्तार कर मुकदमा चलाया गया था और बाद में उन्हें फांसी दी गई थी। उस घटना के बाद कुछ समय के लिए ब्रिटेन में राजशाही ही खत्म हो गई थी। इस वजह से अब एंड्रयू की गिरफ्तारी की तुलना उसी ऐतिहासिक घटना से की जा रही है- हालांकि इस बार स्थिति उतनी गंभीर नहीं है। आज का दौर अलग है, पहले मीडिया शाही परिवार के निजी मामलों को छिपाता था। अब सोशल मीडिया और डिजिटल पत्रकारिता के कारण हर बात तुरंत सार्वजनिक हो जाती है। जनता का भरोसा अब छवि और पारदर्शिता पर टिका है। एंड्रयू पहले से ही कई विवादों में रहे थे- जैसे अमीर लोगों से नजदीकी, कैश-फॉर-एक्सेस विवाद और निजी नेटवर्किंग के आरोप शामिल हैं। इसलिए उनकी गिरफ्तारी ने शाही परिवार की छवि को और झटका दिया है।

पूर्वी प्रशांत महासागर में अमेरिकी सेना की कार्रवाई, ड्रग तस्करी में शामिल एक और नाव ध्वस्त ; तीन की मौत

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सेना ने पूर्वी प्रशांत महासागर में एक और नाव पर हमला किया है, जिस पर ड्रग्स की तस्करी करने का आरोप था। इस हमले में तीन लोगों की मौत हो गई। अमेरिकी सेना के साउदर्न कमांड के मुताबिक, यह नाव उन रास्तों से गुजर रही थी जिन्हें ड्रग तस्करी के लिए जाना जाता है। सेना का दावा है कि नाव नशीले पदार्थों की तस्करी में शामिल थी। सोशल मीडिया पर जारी वीडियो में नाव पहले समुद्र में तैरती दिखती है और फिर अचानक विस्फोट के साथ आग लग जाती है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अमेरिका लैटिन अमेरिका के ड्रग कार्टेल के साथ सशस्त्र संघर्ष में है। इन हमलों को उन्होंने ड्रग्स की तस्करी रोकने के लिए जरूरी कदम बताया है। वहीं, आलोचकों और विशेषज्ञों ने कई सवाल उठाए हैं और कहा कि ट्रंप सरकार ने यह साबित करने के लिए कम सबूत दिए हैं कि मारे गए लोग नार्को-टेररिस्ट थे। कई विशेषज्ञ कहते हैं कि अमेरिका में फैलने वाला खतरनाक ड्रग फेंटेनाइल ज्यादातर जमीन के रास्ते मेक्सिको से आता है, समुद्र से नहीं। पहले हमले में घायल बचे लोगों पर दोबारा हमला करने की घटना के बाद इसे कानूनी और नैतिक रूप से गलत बताया गया। एक तरफ जहां रिपब्लिकन नेताओं ने इसे कानूनी और जरूरी कार्रवाई बताया। वहीं डेमोक्रेटिक नेताओं और कानून विशेषज्ञों ने इसे हत्या या युद्ध अपराध तक कहा।

बांग्लादेश में नई संसद पर सवाल, 43 नव-निर्वाचित सांसदों पर हत्या के मुकदमे

ढाका , एजेंसी। बांग्लादेश में हाल में संपन्न 13वें राष्ट्रीय संसदीय चुनाव के बाद नई सरकार के गठन से पहले ही उसकी साख पर सवाल उठने लगे हैं। एक प्रमुख नागरिक संगठन की रिपोर्ट के अनुसार, नव-निर्वाचित 43 सांसदों पर हत्या (धारा 302) के मामले दर्ज हैं, जिससे राजनीतिक शुचिता और जवाबदेही को लेकर बहस तेज हो गई है। सुशासनर जनो नागरिक (शुजान) द्वारा जारी आंकड़ों का हवाला देते हुए स्थानीय मीडिया डेली स्टार ने शुक्रवार को बताया कि 42 सांसद पहले से ऐसे मामलों का सामना कर रहे थे, जबकि 12 के खिलाफ पुराने और मौजूदा दोनों तरह के आपराधिक मामले दर्ज हैं। कुल मिलाकर 142 सांसद वर्तमान में विभिन्न कानूनी मामलों में घिरे हैं और 185 सांसदों का अतीत में मुकदमों से संबंध रहा है। करीब 95 सांसद ऐसे हैं जिन पर पहले भी और अब भी मामले चल रहे हैं।सबसे ज्यादा मौजूदा मामलों का प्रतिशत बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के सांसदों में पाया गया है। हालिया चुनाव में भारी जीत दर्ज करने वाली बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी के सांसदों में 50 प्रतिशत से अधिक पर वर्तमान में मामले लंबित हैं। दूसरे स्थान पर जमात-ए-इस्लामी है, जिसके लगभग 47 प्रतिशत सांसद कानूनी मामलों का सामना कर रहे हैं।शुजान के मुख्य समन्वयक दिलीप कुमार सरकार ने एक कार्यक्रम में नव-निर्वाचित सांसदों के शपथपत्रों के विश्लेषण का ब्योरा पेश किया। रिपोर्ट के अनुसार, 12वें चुनाव की तुलना में इस बार विजेताओं में कानूनी मामलों में संलिप्तता बढ़ी है। साथ ही उच्च शिक्षित सांसदों का अनुपात भी कम हुआ है। 297 निर्वाचित सांसदों में केवल आठ के पास पीएचडी डिग्री है, 138 स्नातकोत्तर, 93 स्नातक, 20 उच्च माध्यमिक और 17 माध्यमिक स्तर तक शिक्षित हैं। हालांकि चुनाव और जनमत-संग्रह को अधिकांशत : शांतिपूर्ण बताया गया है, लेकिन प्रतिनिधित्व के आंकड़े भी चर्चा में हैं।

भारतवंशी नील कात्याल कौन?: जिन्होंने पलट दिया ट्रंप टैरिफ का पूरा खेल, बने ऐतिहासिक फैसले का चेहरा

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए व्यापक वैश्विक टैरिफ को असंवैधानिक करार देकर बड़ा फैसला सुनाया। इस ऐतिहासिक फैसले के केंद्र में एक भारतीय मूल का नाम उभरा, नील कात्याल। नील ने ही अदालत में ट्रंप के उस कदम को चुनौती दी, जिसमें 1977 के इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनॉमिक पावर्स एक्ट यानी आइइइपीए का इस्तेमाल कर लगभग सभी व्यापारिक साझेदार देशों पर टैरिफ लगाए गए थे। नील कात्याल ने सुप्रीम कोर्ट में दलील दी कि राष्ट्रपति ने आपात आर्थिक शक्तियों का गलत इस्तेमाल किया। उन्होंने कहा कि टैरिफ दरअसल टैक्स होते हैं और टैक्स लगाने का अधिकार केवल अमेरिकी कांग्रेस को है, न कि राष्ट्रपति को। कात्याल ने इन टैरिफ को अन्यायपूर्ण और असंवैधानिक टैक्स बताया। सुप्रीम कोर्ट ने छह-तीन के बहुमत से कहा कि संविधान के तहत टैक्स लगाने की शक्ति कांग्रेस के पास है।

ये कानून के शासन की जीत-कात्याल : फैसले के बाद कात्याल ने कहा कि यह कानून के शासन की

जीत है। उनके अनुसार, यह मामला किसी एक राष्ट्रपति के खिलाफ नहीं, बल्कि शक्तियों के संतुलन का है। उन्होंने कहा कि अमेरिका की व्यवस्था यह सुनिश्चित करती है कि कोई भी व्यक्ति, चाहे वह कितना ही शक्तिशाली क्यों न हो, संविधान से ऊपर नहीं हो सकता।

किसने दायर किया था मामला : यह मामला छोटे अमेरिकी कारोबारियों द्वारा दायर किया गया था, जिन्हें लगा कि टैरिफ से उनका व्यापार प्रभावित हो रहा है। ट्रंप प्रशासन ने टैरिफ को राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक दबाव का जरूरी कदम बताया था। लेकिन अदालत ने साफ कहा कि आपात शक्तियों के नाम पर राष्ट्रपति व्यापक टैक्स नहीं लगा सकते।

नील कात्याल के माता-पिता के बारे में जानें : नील कात्याल का जन्म शिकागो में भारतीय प्रवासी माता-पिता के घर हुआ। उनके पिता इंजीनियर और माता डॉक्टर थीं। उन्होंने डार्टमाउथ कॉलेज और येल लॉ स्कूल से पढ़ाई की। वह अमेरिका के कार्यवाहक सॉलिसिटर जनरल रह चुके हैं और सुप्रीम कोर्ट में 50 से अधिक मामलों में पैरवी कर चुके हैं। वह कई बड़े संवैधानिक मामलों में अहम भूमिका निभा चुके हैं।

पहले भी दे चुके ट्रंप को चुनौती : कात्याल वर्तमान में मिलबैंक एलएलपी में साझेदार हैं और जॉर्जटाउन यूनिवर्सिटी लॉ सेंटर में प्रोफेसर हैं। उन्होंने 1965 के वोटिंग राइट्स एक्ट की संवैधानिकता का बचाव किया, ट्रंप के 2017 ट्रैवल बैन को चुनौती दी और कई राष्ट्रीय सुरक्षा मामलों में सरकार का प्रतिनिधित्व किया। वह जॉर्ज फ्लॉयड हत्या मामले में मिनेसोटा राज्य के विशेष अभियोजक भी रह चुके हैं।

कात्याल ने बताई लोकतंत्र की ताकत सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला भविष्य में किसी भी अमेरिकी राष्ट्रपति की आपात आर्थिक शक्तियों के इस्तेमाल पर सीमा तय करता है। कात्याल ने कहा कि एक प्रवासी परिवार का बेटा अदालत में खड़ा होकर कह सकता है कि राष्ट्रपति कानून तोड़ रहे हैं, और अदालत उसे सुनती है, यही लोकतंत्र की ताकत है। यह फैसला अमेरिकी संविधान और शक्तियों के संतुलन के लिए एक मील का पत्थर माना जा रहा है।

टैरिफ ले नहीं सकता, लेकिन देश की अर्थव्यवस्था को बर्बाद कर सकता हूं, कोर्ट के फैसले पर बोले ट्रंप

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने टैरिफ को लेकर आए सुप्रीम कोर्ट के फैसले को शर्मनाक बताया। नाराजगी जाहिर करते हुए उन्होंने कहा कि वह किसी से टैरिफ नहीं ले सकते, लेकिन वह किसी भी देश के साथ व्यापार पूरी तरह बंद कर सकते हैं और उस देश की अर्थव्यवस्था को बर्बाद कर सकते हैं। गौरतलब है कि अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति ट्रंप के टैरिफ को अवैध करार देते हुए उसे रद्द करने का आदेश दिया है।

ट्रंप बोले- दूसरे विकल्पों का इस्तेमाल करेंगे : सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने जिन चीजों को गलत तरीके से खारिज किया है, उनकी जगह लेने के लिए दूसरे विकल्पों का इस्तेमाल किया जाएगा। हमारे पास विकल्प हैं, बहुत अच्छे विकल्प हैं। इसका मतलब यह हो सकता है कि हमें ज्यादा पैसा मिलेगा। हम ज्यादा पैसा हासिल करेंगे और इससे हम और ज्यादा मजबूत बनेंगे। सुप्रीम कोर्ट द्वारा टैरिफ रद्द करने के फैसले के कुछ घंटे बाद ही ट्रंप ने दुनियाभर के देशों पर 10 प्रतिशत वैश्विक टैरिफ लगाने का एलान कर दिया।

ट्रंप ने धारा 122 के तहत मिली शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए वैश्विक 10 प्रतिशत टैरिफ लगाया है। अमेरिकी कानून के मुताबिक अमेरिकी राष्ट्रपति 150 दिनों तक 15 प्रतिशत तक टैरिफ लगा सकते

हैं। इसका इस्तेमाल करते हुए ट्रंप ने 150 दिनों के लिए 10 प्रतिशत वैश्विक टैरिफ लगाया है। 150 दिनों के बाद अमेरिकी संसद में प्रस्ताव लाकर इसे आगे जारी रखने या न रखने पर फैसला किया जाएगा।

देशों पर टैरिफ नहीं लगा सकते, लेकिन व्यापार बंद कर सकते हैं : मीडिया से बात करते हुए ट्रंप ने कहा, आपको यह दिखाने के लिए कि यह फैसला कितना बेकार है, कोर्ट ने कहा कि मुझे एक डॉलर भी शुल्क लगाने की अनुमति नहीं है। मैं एक डॉलर भी नहीं ले सकता। यह फैसला जरूर उन दूसरे देशों की सुरक्षा के लिए लिया गया होगा, न कि संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए, जिसकी रक्षा उन्हें करनी चाहिए। यही उनका काम है। उन्होंने यह भी कहा कि उनके पास उन देशों के साथ किसी भी तरह का व्यापार या कारोबार पूरी तरह बंद करने का अधिकार है। दूसरे शब्दों में, वह व्यापार को खत्म कर सकते हैं। वह उस देश की अर्थव्यवस्था को खत्म कर सकते हैं। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर सवाल उठाते हुए कहा कि कौन-सा लाइसेंस कभी बिना शुल्क लिए जारी किया गया है।

मार्च की शुरुआत में चांद की ओर उड़ान भरेगा नासा का मानव मिशन, फ्यूल लीकेज की समस्या दूर

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका एक बार फिर चांद की ओर बड़ा कदम बढ़ाने जा रहा है। नासाने पुष्टि की है कि वह 6 मार्च 2026 को अपने अगले मानवयुक्त (क्रूड) चंद्र मिशन को लॉन्च करने की तैयारी कर रहा है। यह फैसला एक महत्वपूर्ण वेट ड्रेस रिहर्सल के सफल होने और पहले सामने आई ईंधन रिसाव (फ्यूल लीकेज) की समस्या को ठीक करने के बाद लिया गया है। क्या होती है वेट ड्रेस रिहर्सल? वेट ड्रेस रिहर्सल असल लॉन्च से पहले की पूरी रिहर्सल होती है। इसमें रॉकेट को लॉन्च पैड पर पूरी तरह तैयार किया जाता है। काउंटडाउन की पूरी प्रक्रिया दोहराई जाती है और रॉकेट में अत्यंत ठंडा ईंधन (सुपर-कोल्ड प्रोपेलेंट) भरा जाता है। पहली रिहर्सल के दौरान इंजीनियरों ने हाइड्रोजन गैस का रिसाव (लीकेज) पाया था। सुरक्षा कारणों से लॉन्च की तैयारी रोक दी गई और विस्तृत तकनीकी जांच शुरू की गई। अब नासाके अधिकारियों के मुताबिक लीकेज की समस्या पूरी तरह ठीक कर दी गई है। हाल ही में हुए नए परीक्षण में ऐसी कोई समस्या दोबारा नहीं मिली। नासा ने अपने बयान में कहा कि

वेट टेस्ट सफल रहा और पहले देखी गई तकनीकी खामियों को दूर कर लिया गया है। अब सभी सिस्टम की गहन समीक्षा की जाएगी। इस मिशन में एसएलएस रॉकेट का इस्तेमाल किया जाएगा। एसएलएस अब तक का नासा का सबसे शक्तिशाली रॉकेट है। यह अंतरिक्ष यात्रियों को स्पेसक्राफ्ट में बैठाकर चांद की कक्षा तक ले जाएगा। यह मिशन भविष्य में चांद पर स्थायी मानव मौजूदगी की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। लॉन्च से पहले एक अहम बैठक होगी जिसे फ्लाइट रेडीनेस रिव्यू कहा जाता है। यह समीक्षा अगले सप्ताह के अंत तक होने की संभावना है। इसमें मिशन मैनेजर, इंजीनियर और सुरक्षा अधिकारी शामिल होंगे। वेट ड्रेस रिहर्सल और अन्य तकनीकी परीक्षणों के डेटा का विस्तार से विश्लेषण किया जाएगा।

पीएम मोदी महान व्यक्ति, लेकिन भारत को टैरिफ देना ही होगा; कोर्ट के फैसले के बाद ट्रेड डील पर बोले ट्रंप

वाशिंगटन एजेंसी। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा लगाए गए व्यापक आपातकालीन टैरिफ को अवैध घोषित कर दिया है। टैरिफ के झटके के बाद ट्रंप का का साफ-साफ कहना है कि कोर्ट के हालिया फैसले के बावजूद भारत-अमेरिका व्यापार समझौते में कोई बदलाव नहीं होगा। यानी ट्रंप के अनुसार भारत पहले की तरह की टैरिफ देता रहेगा। दरअसल, अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट द्वारा टैरिफ रद करने के बाद ट्रंप ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान भारत-अमेरिकी ट्रेड डील को लेकर पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए ट्रंप ने कहा, भारत के साथ डील यह है कि वे टैरिफ देंगे। पहले जो स्थिति थी, उससे यह उलट है। प्रधानमंत्री मोदी एक महान व्यक्ति हैं, लेकिन वे अमेरिका के खिलाफ काफी चतुर थे। भारत हमें लूट रहा था। अब हमने एक निष्पक्ष

समझौता किया है। भारत-अमेरिका ट्रेड डील को लेकर कुछ नहीं बदलेगा भारत को टैरिफ देना ही होगा, और हमें नहीं देना होगा। ट्रेड डील में कोई बदलाव नहीं होगा।

भारत के साथ मेरे अच्छे संबंध : ट्रंप ने आगे कहा, मुझे लगता है कि भारत के साथ मेरे संबंध अच्छे हैं और हम भारत के साथ व्यापार कर रहे हैं। भारत रूस से तेल प्राप्त कर रहा था और उन्होंने मेरे अनुरोध पर काफी हद तक अपने संबंध तोड़ लिए, क्योंकि हम उस भयानक युद्ध को समाप्त करना चाहते हैं जिसमें हर महीने 25,000 लोग मर रहे हैं।

फिर दोहराया भारत-पाकिस्तान सीजफायर का दावा : पत्रकारों से बातचीत के दौरान ट्रंप ने फिर इस दावे को दोहराया कि उन्होंने पिछले साल गर्मियों में टैरिफ का उपयोग करके भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध को रोका था। ट्रंप ने कहा, मैंने भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध भी रोका। जैसा कि आप जानते हैं, 10 विमानों को मार गिराया गया था। वह युद्ध चल रहा था और शायद परमाणु युद्ध में तब्दील हो जाता। कल ही, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप ने युद्ध रोककर 3 करोड़ लोगों की जान बचाई।

टैरिफ की धमकी से रुका युद्ध : ट्रंप ने कहा कि मैंने इसे टैरिफ धमकी के जरिए ही रोका। ट्रंप ने कहा कि मैंने चेतावनी दी, देखो, तुम लड़ना चाहते हो, ठीक है, लेकिन तुम संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ व्यापार नहीं करोगे, और तुम दोनों देशों को 200 प्रतिशत टैरिफ देना होगा। जिसके बाद दोनों देशों ने शांति स्थापित कर ली।

लेबनान में इस्त्राइली हमलों से 12 की मौत, बच्चों समेत 24 घायल; क्षेत्रीय तनाव और गहराया

बेरूत , एजेंसी। मध्य पूर्व में तनाव एक बार फिर बढ़ गया है। लेबनान के पूर्वी बेका घाटी में इस्त्राइल के हवाई हमलों में कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई और 24 लोग घायल हो गए। घायलों में तीन बच्चे भी शामिल हैं। उसी दिन सैदा शहर के एक फलस्तीनी शरणार्थी शिविर पर हुए अलग हमले में दो और लोगों की जान गई। इन घटनाओं से क्षेत्र में हालात और संवेदनशील हो गए हैं। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार शुक्रवार को बेका घाटी में कई ठिकानों पर हवाई हमले हुए। स्थानीय टीवी फुटेज में एक बहुमंजिला इमारत को निशाना बनते दिखाया गया। हमले के बाद इमारत में आग लग गई और राहत टीमें मलबे में फंसे लोगों की

तलाश करती रहीं। इस्त्राइली सेना ने दावा किया कि उसने हिजबुल्लाह के कमांड सेंटर को निशाना बनाया। हिजबुल्लाह की ओर से तुरंत कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई।

सैदा में शरणार्थी शिविर पर हमला : दिन में पहले सैदा के ऐन अल-हिलवेह फलस्तीनी शरणार्थी शिविर पर भी हमला हुआ। इस्त्राइल ने कहा कि उसने हमास के कमांड सेंटर को निशाना बनाया। हमास ने दो सदस्यों की मौत की पुष्टि की, लेकिन कहा कि कमांड सेंटर पर हमले का दावा कमजोर बहाना है। संगठन ने कहा कि जिस इमारत को निशाना बनाया गया वह विभिन्न फलस्तीनी गुटों की संयुक्त सुरक्षा इकाई की थी। अक्तूबर 2023 में हमास के नेतृत्व में इस्त्राइल पर हुए हमले के बाद गाजा में युद्ध शुरू हुआ। इसके समर्थन में हिजबुल्लाह ने लेबनान से इस्त्राइल पर रॉकेट दागे। जवाब में इस्त्राइल ने हवाई हमले और गोलाबारी की। सितंबर 2024 में यह टकराव व्यापक युद्ध में बदल गया। दो महीने बाद अमेरिका की मध्यस्थता से युद्धविराम हुआ, लेकिन पूरी तरह शांति बहाल नहीं हो सकी। तब से इस्त्राइल लेबनान में नियमित हमले करता रहा है। शुक्रवार के हमलों में मौतों की संख्या असामान्य रूप से अधिक रही। यह उस समय हुआ है जब अमेरिका ने ईरान को चेतावनी दी है कि यदि परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत विफल होती है।

पीएम मोदी के दौरे से उत्साहित इस्त्राइल, नेतन्याहू बोले- भारत बेहद शक्तिशाली और लोकप्रिय देश

येरूसलम, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 25 और 26 फरवरी को इस्त्राइल के दौरे पर रहेंगे। पीएम मोदी का यह नौ साल बाद इस्त्राइल का दौरा है। इससे पहले उत्साहित उनके इस्त्राइली समकक्ष बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि भारत बेहद शक्तिशाली और लोकप्रिय देश है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रस्तावित दौरे से उत्साहित उनके इस्त्राइली समकक्ष बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि भारत बेहद शक्तिशाली और लोकप्रिय देश है। इस्त्राइल अपने सहयोगियों के साथ गठबंधन मजबूत कर रहा है। नेतन्याहू ने बृहस्पतिवार को इस्त्राइली रक्षा बलों (आईडीएफ) के कैडेट के दीक्षांत समारोह में कहा, इस्त्राइल बुराई के खिलाफ निवारक उपाय करता है। इसलिए, क्षेत्र में खतरों को बेअसर करने के लिए आवश्यकतानुसार, समय-समय पर कार्रवाई करेगा। नेतन्याहू ने कहा, हम अपने सहयोगियों के साथ गठबंधन को मजबूत करने के लिए भी कदम उठाएंगे। अगले सप्ताह एक बेहद शक्तिशाली देश के प्रधानमंत्री इस्त्राइल का दौरा करेंगे। नेतन्याहू ने कहा, निश्चित रूप से आप जानते हैं कि कुछ दिन पहले मैं एक और महत्वपूर्ण दौरे से लौटा हूं। यह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के लिए चुने जाने के बाद से मेरा सातवां दौरा था। वहां मैंने इस्त्राइल के सबसे पक्के मित्र अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप से मुलाकात की। उन्होंने दावा किया कि हाल में प्रकाशित अमेरिकी सुरक्षा सिद्धांत में इस्त्राइल दुनिया का एकमात्र ऐसा देश है जिसे अमेरिका आदर्श

सहयोगी बताता है। मालूम हो कि पीएम मोदी के इस्त्राइल दौरे की वैश्विक स्तर पर चर्चाएं है। इस्त्राइल-भारत के बीच मजबूत गठबंधन नेतन्याहू ने इससे पहले रविवार को प्रमुख अमेरिकी-यहूदी संगठनों के अध्यक्षों के सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी की प्रस्तावित यात्रा का उल्लेख किया था। उन्होंने सभा को संबोधित करते हुए कहा था, संसद को संबोधित करने की तैयारी चल रही है। अगले हफ्ते यहां कौन आ रहा है? नरेंद्र मोदी। नेतन्याहू ने कहा, वर्षों से इस्त्राइल और भारत के बीच एक मजबूत गठबंधन है। हम हर तरह के सहयोग पर चर्चा करने जा रहे हैं। आप जानते हैं, भारत कोई छोटा देश नहीं है। इसकी आबादी 1.4 अरब है। भारत बेहद शक्तिशाली और बेहद लोकप्रिय है। प्रधानमंत्री मोदी 25 फरवरी को दो दिवसीय दौरे पर इस्त्राइल पहुंचेंगे। इस दौरान वह नेसेट (संसद) को संबोधित कर सकते हैं। पीएम मोदी नेतन्याहू और राष्ट्रपति इसाक हर्जोग से मुलाकात करेंगे। यह पीएम मोदी की इस्त्राइल की दूसरी यात्रा होगी। पहली यात्रा जुलाई 2017 में हुई थी, जो किसी भारतीय प्रधानमंत्री द्वारा यहूदी राष्ट्र की पहली यात्रा थी।

रूस के खतरे से सतर्क पोलैंड अब सीमा पर बिछाएगा बारूदी सुरंग, कहा- सुरक्षा जरूरी

वारसा, एजेंसी। रूस के खतरे से पोलैंड सतर्क हो गया है। इसी के साथ अब सीमा पर बारूदी सुरंग बिछाएगा। उप रक्षामंत्री पावेल जालेव्स्की ने कहा कि रूस पड़ोसियों के प्रति बहुत आक्रामक इरादे रखने वाला देश है। पोलैंड ने रूस से बढ़ते खतरे का हवाला देते हुए अपनी सीमा पर बारूदी सुरंग बिछाने का एलान किया है। यूक्रेन पर रूसी हमले के बाद मध्य यूरोपीय देश विवादास्पद हथियारों के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाने वाले अंतरराष्ट्रीय समझौते से आधिकारिक तौर पर अलग हो गया है। उप रक्षामंत्री पावेल जालेव्स्की ने एपी को बताया, ये बारूदी सुरंग उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के पूर्वी हिस्से में, उत्तर में रूस के साथ और पूर्व में बेलारूस के साथ लगती सीमा पर लगाई जाएंगी। हम रक्षा संरचना का निर्माण कर रहे हैं और सुरक्षा के लिए यह बहुत जरूरी है। पोलैंड को रूस से अपना बचाव करने की जरूरत है। जालेव्स्की ने कहा, रूस एक ऐसा देश है जिसके अपने पड़ोसियों के प्रति बहुत आक्रामक इरादे हैं। उसने खुद कभी अंतरराष्ट्रीय बारूदी सुरंगों पर प्रतिबंध संधि के प्रति प्रतिबद्धता नहीं जताई है। मालूम हो कि फरवरी 2022 से ही रूस-यूक्रेन के बीच युद्ध चल रहा है। इससे अब तक दोनों पक्षों से हजारों नागरिकों व सैनिकों की जान जा चुकी है। पोलैंड इससे सतर्क है।

ओटावा संधि के तहत बारूदी सुरंगों पर था प्रतिबंध : वर्ष 1997 में बारूदी सुरंग पर प्रतिबंध संबंधी संधि को मंजूरी दी

गई थी। इसे ओटावा संधि के नाम से भी जाना जाता है। यह संधि हस्ताक्षरकर्ताओं को बारूदी सुरंग रखने या बिछाने से रोकती है। कंबोडिया, अंगोला, बोस्निया और हर्जेगोविना सहित देशों के पूर्व संघर्ष क्षेत्रों में इन बारूदी सुरंगों की वजह से नागरिकों को हुई क्षति के मद्देनजर यह संधि अस्तित्व में आई थी।

2016 में नष्ट कर दी थी बारूदी सुरंग : पोलैंड ने 2012 में संधि की पुष्टि की थी। उसने 2016 में अपने सभी बारूदी सुरंग नष्ट कर दी थी। हालांकि, शुक्रवार को उसने संधि से हटने की घोषणा करते हुए कहा कि वह इन हथियारों का निर्माण फिर से शुरू करने की योजना बना रहा है।

यूक्रेन पर हमले के बाद से सतर्क हैं पड़ोसी देश : रूस की तरफ से यूक्रेन पर हमले के बाद से पड़ोसी देश सतर्क हैं और वे अंतरराष्ट्रीय संधि देश में अपनी भागीदारी का पुनर्मूल्यांकन कर रहे हैं। पिछले वर्ष वारसॉ ने फिनलैंड, एस्टोनिया, लातविया और लिथुआनिया के तीन बाल्टिक राज्यों व यूक्रेन के साथ मिलकर संधि छोड़ने की घोषणा की थी। रूस उन लगभग तीन दर्जन देशों में से एक है जो अमेरिका के साथ कभी भी ओटावा संधि में शामिल नहीं हुए हैं।

मारी जा चुकी हैं पांच हजार से ज्यादा महिलाएं व युवतियां : संयुक्त राष्ट्र महिला जिनेवा तथा मानवीय कार्रवाई की प्रमुख सोफिया कैल्टोर्प ने शुक्रवार को पत्रकारों को बताया कि फरवरी 2022 में रूसी हमले शुरू होने के बाद से यूक्रेन में 5,000 से अधिक महिलाओं और लड़कियों की मौत हो चुकी है व 14 हजार से अधिक महिलाएं-लड़कियां घायल हुई हैं।

20त्न यूक्रेनी क्षेत्र पर रूस का कब्जा, लोग बदहाल : करीब चार वर्षों से जारी संघर्ष के दौरान रूस ने 20 प्रतिशत से अधिक यूक्रेनी क्षेत्र पर कब्जा कर लिया है। इस क्षेत्र में लगभग 30-50 लाख लोग रहते हैं। रूस के नियंत्रण वाले इन क्षेत्रों में लोग आवासीय, जल, ऊर्जा, गर्मी व स्वास्थ्य संबंधी सुविधाओं के लिए तरस रहे हैं। यहां तक रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने भी डोनेट्स्क, लुहांस्क, खेरसोन व जापोरिजिया क्षेत्र में कई वास्तव में दबाव वाली व अत्यावश्यक समस्याओं को स्वीकार किया है।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)